उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-28)

पृष्ठ 12 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 14 अगस्त, 2023

▶ मुस्लिम महिलाओं ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

▶ ठाणे के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे में 18 मरीजों की मौत

▶ भारत के वीर सपूतों को शत् शत् नमन

प्रियंका गांधी वाड्रा पूरी तरह से योग्य, उन्हें संसद में होना चाहिए : रॉबर्ट वाड्रा

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने शनिवार को कहा कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाद्रा के पास संसद पहुंचने के लिए सभी योग्यताएं हैं और उन्हें वहां होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस पार्टी प्रियंका को लोकसभा में भेजने की योजना पर काम करेगी। रॉबर्ट वाद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें (प्रियंका गांधी) संसद में होना चाहिए। उन्हें निश्चित रूप से लोकसभा में होना चाहिए। उनके पास इसके लिए सभी योग्यताएं हैं। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी यह स्वीकार करती है और उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी।'वाद्रा ने उद्योगपति गौतम अडाणी के साथ अपना नाम जोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने देशवासियों से की डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाकर हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। इसी के साथ उन्होंने एक ट्वीट के जरिये लोगों से अपने अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने की अपील भी की है।

भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस में अब बस दो दिन का समय बचा है। इससे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाकर हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। इसी के साथ उन्होंने एक ट्वीट के जरिये लोगों से अपने अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने की अपील भी की है। पीएम ने लिखा, हरघरतिरंगा आंदोलन की भावना में, आइए हम अपने सोशल मीडिया खातों की डीपी बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

प्रधानमंत्री ने पिछले साल हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की थी। इस साल 11 अगस्त को उन्होंने एक बार फिर से लोगों से13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा आंदोलन में हिस्सा लेने का आह्वान किया है। पीएम मोदी की अपील के बाद देशवासी बड़ी संख्या में हर घर तिरंग अभियान में हिस्सा लेते नजर आ रहे हैं। लोगों ने अपनी डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाना शुरू कर दिया है। बता दें, हर घर तिरंगा अभियान आजादी का अमृत महोत्सव पहल का एक हिस्सा है। ये अभियान लोगों को अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है।

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए आज लाल किले पर फुल ड्रेस रिहर्सल की गयी। इस दौरान के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इसके अलावा आज सरकार ने समारोह में शामिल होने वाले मुख्य अथितियों की सूची भी जारी की है। इस सूची में कुल 1800 लोगों के नाम शामिल हैं, जिन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की हुई है।

वाराणसी में सर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलवाना भाजपा सरकार की हार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वाराणसी के''सर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलवाना भाजपा की हार'' है। सपा प्रमुख ने ट्वीट किया, ''महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश जी की वैचारिक विरासत के प्रतीक वाराणसी के 'सर्व सेवा संघ' भवन पर भाजपा सरकार बुलडोजर चलवाकर जिसे अपनी जीत समझ रही है, दरअसल वह उसकी हार है क्योंकि जिनके विचार देश की हवा में बुनियादी रूप से घुले-मिले हैं, उनकी नींव कोई क्या हिलाएगा ।यादव ने इस ट्वीट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें बुलडोजर चलते दिख रहा है। गौरतलब है कि महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत कहे जाने वाले राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ भवन पर शनिवार को बुलडोजर चलाया गया था।

संपादकीय

सर्विस बिल पास

आखिरकार केजरीवाल सरकार के अधिकार सीमित करने वाला दिल्ली सर्विस बिल राज्यसभा में भी पास हो गया। सोमवार को राज्यसभा में बिल के समर्थन में 131 व विरोध में 102 वोट पड़े। भले की केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार के पर कुतरने वाले बिल को येन-केन-प्रकारेण पारित कर लिया हो, लेकिन विपक्ष को एकजुट करने का मौका जरूर दे दिया। हालांकि, पहले कयास लगाये जा रहे थे कि राजग के सभी सहयोगियों के वोट मिलने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यसभा में बिल को पारित नहीं करवा पायेगी। वह भी तब जब एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहने वाले आप व कांग्रेस समेत इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस के सभी घटक बिल के खिलाफ एकजुट हो चुके थे। दरअसल, लोकसभा में बहुमत होने के चलते राजग सरकार ने बिल आसानी से पास करा लिया था, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने ने उसकी चिंता बढ़ा दी। ऐसे वक्त में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल तथा जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी ने राजग की नैया पार लगा दी। निश्चित रूप से इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस इसे अपनी कामयाबी मान रहा है कि मतदान के दौरान उसके किसी सदस्य ने क्रॉस वोटिंग नहीं की। आम आदमी पार्टी को भले ही मतदान के बाद कामयाबी हासिल न हुई हो लेकिन उसका हौसला बढ़ा कि राज्यसभा में सिर्फ दस सांसद होने के बावजूद 102 सांसदों का समर्थन मिला। ऐसे ही उत्साहित इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलांयस भी है कि पिछले महीने बना विपक्षी गठबंधन इस दौरान एकजुट रहा। हालांकि, बहस के दौरान विपक्षी दलों के निशाने पर आम आदमी पार्टी भी रही कि उसने धारा-370 हटाये जाने के मुद्दे पर राजग सरकार का साथ दिया था। वही राजग सरकार अब दिल्ली सरकार के अधिकारों को कुतर रही है। बहरहाल, अब संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद बिल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत कानून का रूप ले लेगा।वहीं लोकतंत्र के पंडित मानते हैं कि भाजपा व आप के द्वंद्व के चलते केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार के पर कुतरने के लिये इस मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। अध्यादेश व कोर्ट कचहरी के बाद केंद्र सरकार संशोधन को बिल के रूप में लाई। निस्संदेह अब दिल्ली सरकार में लेफ्टिनेंट गवर्नर की भूमिका बढ़ जायेगी। कालांतर एक स्वायत्तशासी संस्था नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी दिल्ली सरकार के अधिकारियों की तैनाती व तबादले करेगी। कहने को तो दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री इस अथॉरिटी के प्रमुख होंगे,लेकिन निर्णय लेने में मुख्य सचिव व दिल्ली सरकार के गृह सचिव निर्णय को प्रभावित करेंगे। माना जा रहा है कि इन केंद्रीय अधिकारियों की उपस्थिति से केंद्र सरकार की दखल निर्णय लेने में बढ़ जायेगी। अथॉरिटी के फैसले पर अंतिम मोहर भी उपराज्यपाल ही लगाएंगे। स्पष्ट है कि इस बिल के कानून बन जाने के बाद दिल्ली सरकार के अधिकारियों की तैनाती व तबादले में आप सरकार की भूमिका कम हो जायेगी। वहीं विपक्ष इस हार को भी जीत बता रहा है। उसका कहना है कि इस सारी प्रक्रिया में विपक्ष एकजुट रहा है ।

अंग्रेजों के आगे घुटने नहीं टेके होते तो देश का विभाजन नहीं हुआ होता

अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए एक कृतज्ञ राष्ट्र के रूप में हमें अपनी मातृभूमि के उन बेटे-बेटियों को 14 अगस्त के दिन विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर अवश्य नमन करना चाहिए, जिन्हें हिंसा के उन्माद में अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी। हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया था कि हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जायेगा। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह था कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ी विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेले गए दर्द और पीड़ा को जाने। देखा जाये तो विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करता है बल्कि इससे देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।बहरहाल, भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिलने पर स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ देश के विभाजन का आघात भी सहना पड़ा था। नए स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र का जन्म विभाजन के हिंसक दर्द के साथ हुआ था जिसने लाखों भारतीयों पर पीड़ा के स्थायी निशान छोड़े हैं।

आजादी के समय हुए नरसंहार के लिए तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व को ही जिम्मेदार कहा जायेगा क्योंकि उसकी अदूरदर्शिता की वजह से कई गलत निर्णय हुए थे। महात्मा गांधी धर्म के आधार पर देश के विभाजन के विरोधी थे इसलिए वह आजादी के जश्न में भी शामिल नहीं हुए थे।कांग्रेस पार्टी की ओर से बार-बार कहा जाता है कि देश को आजादी हमने दिलाई जबकि आजादी के आंदोलन में देश की हर गली, हर मोहल्ले और हर घर का व्यक्ति शामिल था। लेकिन कांग्रेस की शह पर इतिहासकारों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को ऐसे लिखा कि सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के कुछ दिग्गज नेताओं के अलावा आजादी के आंदोलन में और किसी का नाम और योगदान नजर नहीं आता। इसलिए आजादी के आंदोलन की सफलता का श्रेय सिर्फ खुद को देने वाली कांग्रेस को यह भी तो बताना चाहिए कि देश के विभाजन का जिम्मेदार कौन था? विभाजन के समय जो कत्ले आम हुआ और मानवता को शर्मसार करने वाली जो घटनाएं हुईं उसका जिम्मेदार कौन था? यही नहीं, यह भी बताना चाहिए कि देश के विभाजन के चलते भारत के समक्ष जो समस्याएं खड़ी हुईं और जिनका खामियाजा आज भी देश भुगत रहा है उसका जिम्मेदार कौन है?

आजादी के समय हुए नरसंहार के लिए तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व को ही जिम्मेदार कहा जायेगा क्योंकि उसकी अदूरदर्शिता की वजह से कई गलत निर्णय हुए थे। महात्मा गांधी धर्म के आधार पर देश के विभाजन के विरोधी थे इसलिए वह आजादी के जश्न में भी शामिल नहीं हुए थे। क्योंकि यह वह आजादी नहीं थी जिसके लिए महात्मा गांधी ने लड़ाई लड़ी थी। महात्मा गांधी ने शांति और अमन चैन वाली पूर्ण आजादी की मांग की थी लेकिन कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं की वजह से उन्हें अपने उद्देश्य में आधी-अधूरी ही कामयाबी मिली थी।

आप आजादी के समय के घटनाक्रमों पर गौर करेंगे तो साफ प्रतीत होगा कि कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व की सत्ता लोलुपता ही भारत के विभाजन का असल कारण थी। कांग्रेस जानती थी कि अंग्रेजों की बांटो और राज करो की नीति है। इस बात को समझते हुए भी भारत के विभाजन के लिए राजी होना बहुत बड़ी गलती थी। विभाजन की प्रक्रिया को अंजाम देने के समय अंग्रेज सरकार का विरोध नहीं करके कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व ने बहुत अपराध किया था। देखा जाये तो कांग्रेस का तत्कालीन नेतृत्व इस बात के लिए आतुर था कि कैसे जल्दी से जल्दी सत्ता पर कब्जा किया जाये। इसलिए भारत का विभाजन होते समय उन्हें कोई दर्द ही नहीं हुआ। दर्द तो उन लोगों ने सहा जिन्हें अपना घरबार छोड़ना पड़ा, परिजनों को खोना पड़ा और संपत्ति से हाथ धोना पड़ा।इतिहास में यह भी उल्लेख मिलता है कि अंग्रेजों ने जहां-जहां राज किया उनमें से उन्होंने सिर्फ चार देशों- आयरलैंड, फिलिस्तीन, साइप्रस और भारत में ही विभाजन कराया। अंग्रेजों ने विभाजन के धार्मिक और नस्ली कारण बताये लेकिन असल कारण उनके अपने राजनीतिक और सामरिक हित थे। अंग्रेजों द्वारा कराये गये सभी विभाजनों में भारत का विभाजन ही सर्वाधिक हिंसा से प्रभावित रहा। इसलिए सवाल उठता है कि अंग्रेजों की चाल समझते हुए भी कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व द्वारा विभाजन का कोई विरोध क्यों नहीं किया गया।देखा जाये तो भारत का विभाजन मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्थापनों में से एक है, जिससे लगभग 20 से 25 लाख लोग प्रभावित हुए थे। लाखों परिवारों को अपने पैतृक गांवों, कस्बों और शहरों को छोड़ना पड़ा था और शरणार्थी के रूप में संघर्षमय जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बहुत से विद्वान मानते हैं कि उस समय कांग्रेस ने सत्ता लोलुपता ना दिखाई होती और अंग्रेजों के आगे घुटने नहीं टेके होते तो ना तो देश का विभाजन होता ना ही लोगों को विस्थापित होना पड़ता। दरअसल अंग्रेजों ने कांग्रेस की किसी भी कीमत पर सत्ता पाने की आतुरता को भांप लिया था इसलिए योजनाबद्ध तरीके से स्वतंत्रता की घोषणा पहले और विभाजन की घोषणा बाद में की थी। इससे भारत और पाकिस्तान की नयी सरकारों के सर पर एकदम से शांति कायम रखने की जिम्मेदारी आ गयी थी। जाहिर तौर पर दोनों ही सरकारें शांति व्यवस्था कायम करने के लिए तैयार नहीं थीं। इस वजह से हालात बिगड़ते चले गये। देखते-देखते दंगे भड़कते गये और जब पाकिस्तान से ट्रेनों में भरकर हिंदुओं और सिखों की लाशें आने लगीं तो यहां भी लोग उन्मादी हो गये।यही कारण रहा कि जहां एक ओर पंडित जवाहर लाल नेहरू और उनके सहयोगी सत्ता संभालने में लगे हुए थे तो दूसरी ओर विभाजन के चलते भड़के सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए उस वक्त महात्मा गांधी बंगाल के नोआखली में अनशन पर बैठ गए थे और स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे। उस समय के हालात के बारे में जो इतिहास मिलता है वह बहुत भयावह है। 15 अगस्त 1947 की सुबह जहां आजादी लेकर आई थी और सभी के चेहरों पर खुशी थी वहीं यह भी दृश्य देखने को मिल रहे थे कि लोग ट्रेनों, बैलगाड़ियों, घोड़ों या खच्चरों पर बैठकर या फिर पैदल ही सर पर सामान लादे हुए और अपने बच्चों का हाथ पकड़े हुए अपनी मातृभूमि को छोड़कर अलग-अलग बन चुके देश की ओर रवाना हो रहे थे। भारत के विभाजन के समय भड़के सांप्रदायिक दंगों में लोगों की मौत का आंकड़ा 20 लाख तक बताया जाता है। देख जाये तो उन दंगों में ना जाने कितने परिवार बिछड़ गये, कितनी महिलाओं को अपनी इज्जत से हाथ धोना पड़ा, कितने लोगों के शरीर के टुकड़े कर दिये गये, कितने लोगों के घर लूट लिये गये या फूंक दिये गये...तत्कालीन सरकार और प्रशासन बस शांति की अपील करता रह गये थे। तत्कालीन राजनेताओं की यह सबसे बड़ी नाकामी थी कि ना तो वह देश का विभाजन रोक पाये और ना ही कत्लेआम। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उस नाकामी का श्रेय आज की कांग्रेस लेगी? इसके साथ ही, विभाजन प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों से एक सवाल यह भी है कि पंडित नेहरू के राज में 1962 की लड़ाई के दौरान जब चीन ने भारत के काफी बड़े भूभाग पर कब्जा जमा लिया था और तत्कालीन केंद्र सरकार कुछ नहीं कर पाई थी तो उसके लिए किसे दोषी ठहराया जाये। इसके अलावा, विभाजन प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों से एक सवाल यह भी है कि जब इंदिरा गांधी की सरकार ने 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका के सुपुर्द कर भारत के हितों को नुकसान पहुँचाया था तो उसके लिए किसे दोषी ठहराया जाये?

वैसे यह गर्व करने लायक बात है कि आजादी के बाद से अब तक भारत बहुत आगे बढ़ गया है और दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र तथा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

प्रसिद्ध मार्कण्डेय महादेव धाम , जहां साक्षात शिव देते है वरदान ..!

वाराणसी जिले में कैथी के निकट प्रसिद्ध शिव मंदिर जहां अपनी मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है जो केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडे और आयुष राज्य मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु के अथक परिश्रम से अब पर्यटन का भी मुख्य केंद्र बना है। मार्कण्डेय महादेव धाम कैथी मंदिर क्षेत्र का सबसे प्रमुख मंदिर है, जोकि भगवान शिव को समर्पित है और एक छोटे से कुंड में प्राण प्रतिष्ठित शिवलिंग अवतरित है। किंवदंतियों के अनुसार यहां भगवान शिव ने अल्पायु ऋषि मार्कण्डेय को अल्पायु से वरदान देकर बचाया था । बाद ने अनुष्ठान और आयोजन कर यहां खुद महादेव प्रगट हुए, शिव जहां प्रकट हुए वहां अब शिवलिंग है । मंदिर के अंदर एक चमत्कारी शिवलिंग और कई छोटे मंदिर हैं जो अन्य देवताओं को समर्पित हैं। माना जाता है कि इस धाम में पवित्र मन से मांगी हर मुराद पूरी होती है, और इसलिए शिवरात्रि या सावन जैसे अवसरों पर यहां भक्तों का तांता लगा रहता है। यहां स्थित शिवलिंग के संदर्भ में यह मान्यता है कि शिवलिंग सिद्ध है। महादेव पर लोगों की आस्था और भी प्रगाढ़ होती जा रही है। भक्तों की आस्था देख कर मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। इसके अलावा मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण भी कराया गया है। शिवलिंग पर चढाये जल को लाँघा नही जाता और शिवलिंग की परिक्रमा आधी की जाती है । शिवलिंग पर अर्पित नैवेद्य भी नहीं खाया जाता उसे गऊ वंश को खिला दिया जाता है क्योंकि उनमें ही इसकी शक्ति को सहने की क्षमता होती है । भारत का रेडियोएक्टिविटी मैप उठा ले हैरान हो जायेंगे भारत सरकार के न्युक्लियर रियेक्टर के अलावा सभी ज्योतिर्लिंगो के स्थानों पर सबसे ज्यादा रेडियेशन पाया जाता है ! शिवलिंग ओर कुछ नहीं बल्कि न्युक्लियर रिएक्टर्स ही तो है तभी तो उस पर जल चढाया जाता है ताकि वो शांत रहे , महादेव के सभी प्रिय पदार्थ जैसे कि बिल्वपत्र, आक, धतूरा, गुड़हल, आदि सभी न्युक्लियर एनर्जी सोखने वाले हैं, शिवलिंग पर चढा पानी भी रिएक्टिव हो जाता

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

इसके अलावा मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण भी कराया गया है। शिवलिंग पर चढाये जल को लाँघा नही जाता और शिवलिंग की परिक्रमा आधी की जाती है । शिवलिंग पर अर्पित नैवेद्य भी नहीं खाया जाता उसे गऊ वंश को खिला दिया जाता है ज़्योंकि उनमें ही इसकी शक्ति को सहने की क्षमता होती है ।

है इसलिए तो जल निकासी नलिका को लाँघा नही जाता । भाभा एटॉमिक रिएक्टर का डिजाइन भी शिवलिंग की तरह ही है, शिवलिंग पर चढाया जल नदी के बहते जल के साथ मिलकर औषधि का रूप ले लेता है, तभी तो हमारे पूर्वज हम लोगों से कहते थे कि महादेव शिवशंकर अगर नाराज हो जायेंगे तो प्रलय आ जायेगी ,ध्यान दें कि हमारी परम्पराओं के पीछे कितना गहन विज्ञान छिपा हुआ है !
जिस संस्कृति की कोख से हमनें जनम लिया वो तो चिर सनातन है ! विज्ञान को परम्पराओं का जामा इसलिए पहनाया गया ताकि वो प्रचलन बन जाए और हम भारतवासी सदा वैज्ञानिक जीवन जीते रहेज
आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि भारत में ऐसे महत्वपूर्ण शिव मंदिर है जो केदारनाथ से लेकर रामेश्वरम तक एक ही सीधी रेखा में बनाये गए हैं , आश्चर्य है कि हमारे पूर्वजो के पास ऐसा कैसा विज्ञान और तकनीक थी जिसे हम आज तक नहीं समझ पाये ? उत्तराखंड का श्री केदारनाथ तेलंगाना का कालेश्वरम आंध्रप्रदेश का कालहस्ती तमिलनाडु का 卐एकंबरेश्वर卐 चिदंबरम और अंततः 卐रामेश्वरम卐 मंदिरो को 79एश्व 41 '54卐 लॉन्गिट्यूड की भोगोलिक सीधी रेखा में बनाया गया है । यह सारे मंदिर प्रकृति के 5 तत्वों में लिंग की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे हम आम भाषा में पंचभूत कहते हैं, पंचभूत यानि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, और अंतरिक्ष, इन्हीं पाँच तत्वों के आधार पर इन पाँच शिवलिगों को प्रतिष्ठापित किया गया है ! जल का प्रतिनिधित्व तिरूवनैकवल मंदिर में है ,आग का प्रतिनिधित्व तिरूवन्नमलई में है , हवा का प्रतिनिधित्व कालाहस्ती में है, पृथ्वी का प्रतिनिधित्व कांचीपुरम में है, और अंत में अंतरिक्ष का प्रतिनिधित्व चिदंबरम मंदिर में है, वास्तु -विज्ञान ङ्क वेद के अदभुत समागम को दर्शाते हैं ये पाँच मंदिर । भौगोलिक रूप से भी इन मंदिरो में विशेषता पाई जाती है, इन पाँच मंदिरो को योग विज्ञान के अनुसार बनाया गया था और एक दूसरे के साथ एक निश्चित भौगोलिक संरेखण में रखा गया है, इस के पीछे निश्चित ही कोई विज्ञान होगा जो मनुष्य के शरीर पर प्रभाव करता होगा । इन मंदिरो का करीब पाँच हजार वर्ष पूर्व निर्माण किया गया था जब उन स्थानों के अक्षांश और देशांतर को मापने के लिए कोई उपग्रह तकनीक उपलब्ध ही नहीं था तो फिर कैसे इतने सटीक रूप से पाँच मंदिरो को प्रतिष्ठापित किया गया था ? उत्तर भगवान ही जाने । केदारनाथ और रामेश्वरम के बीच 2383 किमी की दूरी है लेकिन ये सारे मंदिर लगभग एक ही समानांतर रेखा में पडते हैं ! आखिर हजारों वर्ष पूर्व किस तकनीक का उपयोग कर इन मंदिरो को समानांतर रेखा में बनाया गया है यह आज तक रहस्य ही है . श्रीकालहस्ती मंदिर में टिमटिमाते दीपक से पता चलता है वह वायु लिंग है तिरूवन्निका मंदिर के अंदरुनी पठार में जल बसंत से पता चलता है कि यह जल लिंग है . अन्नामलाई पहाडी पर विशाल दीपक से पता चलता है कि वह अग्नि लिंग है। कांचीपुरम के रेत के स्वयंभू लिंग से पता चलता है कि वह पृथ्वी लिंग है ।

मास्क टीवी ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर देशवासियों के लिए प्रीमियम कैटेगरी की तीन बड़ी फ़िल्में मुफ़्त!

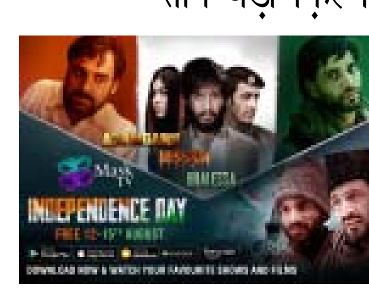

देश की सर्वाधिक लोकप्रिय मास्क टीवी ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म द्वारादेशभक्ति के अपने जज्बे को देशवासियों के संग उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। मास्क टीवी ने अपने दर्शकों के लिए तीन पॉपुलर फ़िल्म्स फ़्री वेबकास्ट करने की तैयारियां पूरी कर ली है । इस अमृतकाल मे प्रीमियम कैटेगरी की तीन बड़ी फ़िल्में 'मिशन सेवेन्टी', 'भलेसा' और 'आज़मगढ़' दर्शकों के लिए फ़्री की गई हैं । कश्मीर की धरती से जुड़े वरिष्ठ कलाकार मीर सरवर , युवा अभिनेता अनुज शर्मा , वरिष्ठ कलाकार पंकज त्रिपाठी, बलविंदर सिंह आदि के अभिनय से सजी ये तीनों फिल्में देश में चल रहे हालात का और उनसे जद्दोजेहद का आईना हैं। मास्क टीवी ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म की चैनल प्रोड्यूसर मानसी भट्ट के अनुसार जो यूजर्स प्रीमियम कंटेंट के तहत ये तीनों फ़िल्में नहीं देख सके उनके लिए यह सुनहरा मौक़ा है। 15 अगस्त 2023 के दिन देशवासी आज़ादी की 76 वीं वर्षगाँठ मना रहे हैं, पूरा देश आज़ादी के अमृत महोत्सव का आनंद मना रहा है, उस दिन देशप्रेम, वतनपरस्ती के छलकते जज्बे को , देशभक्ति की भावना के अमृत कलश के अमृतबिंदुओं को बिखेरता मास्क टीवी का कारवाँ देशवासियों को जागरूक करने का काम करेगा। सरहद पार के आतंकी संगठनों, हिंदू-मुस्लिम समुदाय के बीच फैलती कट्टरपंथी मानसिकता और मज़हबी उन्माद के ठेकेदारों को बेनक़ाब करती ये तीनों फ़िल्में आज़ादी के अमृत महोत्सव काल में देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी।

प्रस्तुति:काली दास पाण्डेय

चिट्ठी न कोई संदेश ना जाने कौनसा देश जहां तुम चले गए

गोंदिया । वैश्विक स्तर पर आदि-अनादि काल से ज्ञात अज्ञात, चिन्हित अदृश्य ऐसे हजारों की संख्या में महामानव महापुरुष हुए हैं जिनका गुणगान सारी दुनियां में किया जाता है क्योंकि उन्होंने अपना जीवन केवल खुद और अपने परिवार और अपने राष्ट्र के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनियां के लिए निछावर कर दिया, जिससे मानवीय जीवो को अनगिनत फायदे हुए जिसमें से कई को हम जानते हैं परंतु दुर्भाग्यपूर्ण कि अनेकों अज्ञात व अदृश्य भी ऐसे महामानव हो सकते हैं जिनकी सेवाएं पटल पर ज्ञात नहीं हो सकी जिसके कारण वे वैश्विक परिपेक्ष में अदृश्य रहे। महामानव की सेवाओंको चिन्हित कर अंतरराष्ट्रीय मंचों संस्थाओं द्वारा उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए अनेक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों, अवार्डों से नवाजा जाता है, इनमें नोबेल पुरस्कार एक ऐसा है जो दुनियां का सबसे बड़ा अवार्ड है। ठीक उसी तरह हर देश राज्य जिला शहर और सामाजिक स्तरपर भी अनेक सेवाभावी महामानव होते हैं जो अपने देश राज्य जिले और शहर समाज के लिए अपना पूरा जीवन निछावर कर देते हैं जिससे उनकी उस सेवा स्तर पर उस राज्य से समाज तक चैनल में उनका बड़ा योगदान होता है। हालांकि वह किसी अवार्ड या पुरस्कार या सम्मान के मोहताज नहीं होते उनका धर्म कर्म सिर्फ सेवा ही रहता है। ऐसे ही हमारे गोंदिया शहर के सिंधी समाज की सेवा में जमीनी स्तर से जुड़ा नाम स्वर्गीय सनमुख़दास जी भावनानी हैं, जिन्होंने अपनां जीवन समाज सेवा में समर्पित कर दिया उन्हें समाज में उस्ताद के नाम से जाना जाता है। चूंकि 7 अगस्त 2023 को उनकी 21वीं पुण्यतिथि है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से उनकी सेवाओं की चर्चा करेंगे कि मानवीय जीव की पहचान धन दौलत से नहीं बल्कि सामाजिक व मानवीय सेवा से आदि अनादि काल तक उनके गुणगान से होती है ताकि सेवा क्षेत्र में समर्पित रहने वालों को एक प्रेरणा मिल सके और सेवा रूपी फूलों में से कोई एक फूल लेकर अपने जीवन में अपनाकर लोक परलोक को सफल बनाएं।साथियों बात अगर हम किसी भी क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा के गुणों की शुरुआत की करें तो मेरा मानना है कि वह बड़े बुजुर्गों से फ्लो होती है। स्वर्गीय सनमुखदास जी को भी इन की प्रेरणा प्रख्यात समाजसेवी काका चोइथराम जी गलानी से मिली और फिर उनके ही सानिध्य में उन्होंने एक अनोखा सेवा कार्य शुरू किया जिसमें समाज के किसी जीव की अगर मृत्यु हो जाती है तो उनकी जानकारी सभी समाज बंधुओं को उनके घर घर में जाकर देना कि उनकी मृत्यु हुई है एवं उनका अंतिम संस्कार इतने बजे है। दूरदृष्टि से दूर के लोगों को टेलीफोन द्वारा इसकी सूचना भी दी जाती थी प्राथमिक स्तरपर उन्होंने अकेले कार्य शुरू किया फिर काका चोइथराम जी से मिलकर कुछ समाजसेवियों को साथ लेकर पूरे शहर के समाज में शुरुआत की सूचना निशुल्क सेवा भाव से पहुंचाते थे। स्वाभाविक रूप से यदि हम कोई सेवा इतनी विशालता से करते हैं तो हमारे खिलाफ चार विरोधी भी खड़े हो जाते हैं, जिसमें हमें अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाने में प्रोत्साहन मिलता है, इसी वाक्यात के साथ उन्होंने सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष पद का नामांकन भरा तो स्वाभाविक रूप से कुछ लोगों के रोंगटे खड़े हो गए क्योंकि एक गरीब अगर तन मन से सेवा करता है तो अच्छे-अच्छे उसके साथ खड़े हो जाते हैं परंतु यहां कुछ विपरीत हुआ कि वह सिर्फ 66 वोटों से चुनाव हार गए परंतु उन्होंने सेवा कार्य नहीं छोड़ा बल्कि एक संगठन सिंधी सेवादारी मंडल की स्थापना की जिसका काम किसी की मृत्यु हो जाने पर उसकी सूचनाएं पूरे समाज तक पहुंचाना और उसका पूरा क्रियाकर्म उसके परिवार के साथ मिलकर कराना इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था, जिसमें स्व काका चोइथराम गलानी, स्व बुध्रमल चुगवानी, स्व गामनदास पर्यानी स्व गुलाब छतानी स्व आरके साइकिल, धर्मदास चावला, कमल लालवानी इत्यादि अनेक सेवादारों से मिलकर उत्साह पूर्वक सफलताओं की बुलंदियों तक पहुंचाया पर, होनी को कौन टाल सकता है, 7 अगस्त 2002 को वह काल के ग्रास में समा गए। उसके कुछ वर्षों बाद उनके अनेक सेवादारी सहयोगी भी काल के ग्रास में समा गए। परंतु सिंधी सेवादारी मंडल आज भी उसी जोश और सेवाओं के साथ अपनी सेवाएं युवा सेवादारियों के साथ उसी सेवा समर्पित भाव के साथ जारी रखे हुए है जो समाज के सामने एक मिसाल है, इसका संचालन आज के युवा साथी कर रहे हैं।साथियों उस्ताद के भजन कीर्तन के भाव की करें तो कुछ मंदिरों आश्रम विशेष रूप से भाई किशनचंद् जी के टिकाने में भजन कीर्तन करते थे परंतु विशेषता यह थी कि उन्होंने वहां से कभी भी एक रुपया भी नहीं उठाया। कीर्तन के दौरान उनके साज़ों पर जो भी पैसे आते थे वह आश्रम या मंदिर की दान पेटी में डाल देते थे। विशेष यह कि अपनी कोई भेटा भी नहीं लेते थे उनके साथ साज़ भी निशुल्क बजाते थे। बड़े बुजुर्गों का कहना है कि किसी भी परिवार खानदान की जो अच्छाई या बुराई है होती है वह आगे की पीढ़ियों में भी झलकती है, यह हम अपनी आंखों से देख रहे हैं कि उनके भजन और कीर्तन की स्तुति उनके पोतेनिखिल भावनानी में समाई है जो मात्र 4 वर्ष की उम्र से ही बिना किसी तकनीकी रूप से सीखने के गॉड गिफ्टेड के रूप में उनको मिली है। हारमोनियम से लेकर ढोलक तक अच्छे से से बजा लेते हैं। शब्द कीर्तन भजन करते हुए देखा जा सकता है। उनके अपने पैतृक गुरु के सत्संग घर हरे माधव दरबार में उनकी सेवाएं को देखा जा सकता है। वहां अपने पैतृक धरोहर कि एक रुपया भी नहीं उठाना है सभी दान पेटी में डालना है वाली प्रथा को कायम रखे हैं।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।
दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

-सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

मुस्लिम महिलाओं ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। इफ्तखाराबाद क्षेत्र की मुस्लिम महिलाओ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वाहन पर डॉ. रोहित सक्सेना (भाजपा नेता,राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री / प्रवक्ता अखिल भारतीय सनातन परिषद) के नेतृत्व मे अफसाना इरफान के देख रेख मे लगभग 300 मुस्लिम महिलाओ ने क्षेत्र में तिरंगा य़ात्रा लेकर हर घर तिरंगा के तहत विशाल य़ात्रा निकाली ।इस यात्रा ने दिखा दिया मुस्लिम वर्ग किसी की जागीर नहीं,महिलाओ ने यह भी कहा जब से योगी आये वो किसी से नहीं डरती और समाज मे सम्मान प रही हैं,हर कदम वो योगी और मोदी के साथ हैं,आगामी 2024 लोकसभा चुनावो मे बढ़ चढ कर

हिस्सा लेकर यूपी मे 80 मे 80 सीटे ज़िताने के किये सारी मुस्लिम महिलाएं बाहर निकल कर सरकार बनाने मे साथ देंगी। डॉ. सक्सेना ने कहा आज मुस्लिम महिलाओ का मोदी के कहने पर निकालना सभी उन पार्टियो के लिए मुंह पर तमाचा है,ज़िन्होने मुसलिमो को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया,अब मुस्लिम किसी के बहकावे मे नही आने वाले वो केवल उनके साथ हैं जो उनको सुरक्षा और आपनेपन का एहसास दिलायेगे ।मसीरा ने कहा हमे योगी मोदी पर विश्वास हैं,जब तक ये रहेंगे हमारा कोई बाल बांका नहीं कार सकता, देश मे 3 तलाक का दंश झेल रही महिलाए कानून आने के बाद बहुत खुश हैं , अब कोई भी अत्याचार नहीं सहेगा,जब से योगी आये हैं, ना घरो मे कब्जे नहीं हो रहे गुंडागर्दी खत्म हो गयी ।इरफान ने कहा मैने अपनी पत्नी को देश को समर्पित कर दिया अब अफसाना लोगो के काम आयेगी,और देश सेवा मे समर्पित रहेगी। वसीम ने कहा जब से रोहित सक्सेना हमारे क्षेत्र मे आये हैं सभी मुस्लिम भाइयो का विश्वास भाजपा में बढ़ा हैं , हम सभी बीजेपी के साथ हैं जब हमारी बहनो ने कमर कस ली तो हम कहा पीछे रहने वाले ।सखावत अली ने कहा जब भी हम लोग सक्सेना जी को अपनी समस्यो के लिए बुलाते हैं वो हमेशा किसी भी समय खड़े रहते हैं., सबसे बड़ी बात अभी तक हमारे जितने नेता होते थे काम पड़ने पर पैसे लगने की बात करते थे रोहित सक्सेना के आने के बाद पैसे की दलाली खत्म हो गयी,सभी के काम फ्री में होते हैं, चाहें थाने का काम हो अस्पतालो का काम हो य़ा किसी सरकारी विभाग मे कही कोई पैसे नही खर्च होते,भाजपा की यही शैली सबको पसंद आ रही हैं ।इस अवसर पर डॉ.रोहित सक्सेना राष्ट्रीय संगठन मंत्री/प्रवक्ता अखिल भारतीय सनातन परिषद (निरंजनी अखाड़ा) , भाजपा नेता मो. इरफान,भाजपा नेत्री अफसाना इरफान,मसीरा,असमा, मरियम, शानिया, सूफिया, शबनम,सबा, फार्जना,चन्दा, शहाना, शैफी, इब्रा, उम्रा, माही, अक्शा,शाहीबा, शाहिमा, राजबिया, अनम, रूबी,शहनाज, कामरान, अबू जैद, ताशकेन, अमान, इरफान, तौफीक बरकती, अश्वेन्द्र सोनकर, शिवम सोनकर आदि लोग मौजूद रहे।

मेरी माटी, मेरा देश के अंतर्गत हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं की शुरुआत

कानपुर।सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में इटावा स्थिति मत्स्य महाविद्यालय एवं शोध केन्द्र परिसर में मेरी माटी,मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता मत्स्य महाविद्यालय डॉ जेपी यादव ने बताया गया कि यह विभिन्न प्रतियोगिताएं छात्र छात्राओं हेतु 15 अगस्त तक होती रहेंगी।उन्होने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।जिसमे मुख्य रूप से क्विज प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता , रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।उपरोक्त प्रतियोगिताओं की खास बात ये रहेगी कि सभी प्रतियोगिताओं की विषयवस्तु मत्स्य पालन ही रहेगी ।

केशव मधुवन सेवा समिति ने वितरित किए तिरंगे

कानपुर। 77वें अमृतमहोत्सव के उपलक्ष में अपनी माटी अपना देश कार्यक्रम के अर्न्तगत 13 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान के तहत केशव मधुवन सेवा समिति केशव नगर के महासचिव राजेन्द्र अवस्थी द्वारा समिति के सभी सदस्यों को तिरंगा झण्डा वितरित किया गया। सभी से हर घर पर तिरंगा फहराने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा देश में आजादी बहुत ही कठिनाईयों से मिली है। इस आजादी के लिए कई महान लोगो ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। आजादी के महत्व को गौरवांवित करते हुए सभी नगरवासियों से अपील है, कि वह अपने घर की छतो पर तिरंगा जरूर लगाए। इस अवसर पर डॉक्टर नरेला, श्याम बिहारी शर्मा,श्रीराम उत्तम,रोशन लाल वर्मा, किशोरी, राम प्रकाश पाण्डेय, बी के तिवारी, ओम प्रकाश गौतम, नर सिंह सचान,बीना सचान, कान्ति बुनकर, आदि उपस्थित रही।

सजा काट रही महिलाओं के बच्चे अब जा सकेंगे स्कूल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कारागार में कुछ महिला कैदियों के बच्चे भी उन्हीं के साथ जेल में रह रहे हैं अभी तक उनको पढ़ाने के लिए एक अध्यापिका बाहर से आती थी लेकिन अब इन महिला कैदियों के बच्चे स्कूल जा सकेंगे इन बच्चों को स्कूल भेजा गया है।

जेल के जेलर ने पत्रकारों को बताया कि पांच बच्चों को स्कूल भेजा गया है स्कूल में पढ़ लिखकर यह बच्चे समाज में आगे बढ़ेंगे और नाम कमाएंगे और इनका भविष्य उज्जवल हो जाएगा।

भारत सेवक समाज के 72वें स्थापना दिवस पर सफलतापूर्वक मनाया गया कार्यक्रम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत सेवक समाज के 72वें पर स्थापना दिवस समारोह आज मलिक गेस्ट हाउस, रामादेवी, कानपुर में वरिष्ठ पदाधिकारी श्री सुखबीर सिंह मालिक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

सर्वप्रथम संस्था के महामंत्री शरद प्रकाश अग्रवाल (आयकर अधिकारी) ने संस्था पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये आये सभी अथितियों का स्वागत करने के साथ नवनिर्वाचित क्षेत्रीय पार्षद कृष्णानगर वार्ड के वेद प्रकाश छोटू तथा गाँधीग्राम वार्ड के नरोत्तम दद्दू का सम्मान संस्था की ओर से किया गया। इस अवसर पर रामेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने सभी को तुलसी पौधों का वितरण भी किया।

इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में पधारे श्री राजीव महाना, विशिष्ट अथिति योगाचार्य डॉ ओम प्रकाश आंनद, स्वागताध्यक्ष प्रमुख उद्योगपति ओम प्रकाश अग्रवाल, स्वागतमंत्री तारुणी कुमार पासवान आदि ने भारत सेवक समाज के बारे विस्तार से जानकर अपना भी भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया।

भारत सेवक समाज के प्रदेश अध्यक्ष, चैयरमैन एवं वाइस चैयरमैन ने भेजे अपने संदेश में अपनी शुभकामना दी। वक्ताओं ने कहा कि भारत सेवक समाज, राष्ट्र एवं समाज की रचना, निर्माण, सेवा और सहायता का एक गैर राजनैतिक स्वैच्छिक संगठन है, अपना भारत देश विशाल जनसंख्या वाला देश है। देशवासियों का हक है कि वे सभी शिक्षित, सुखी, एवं सम्मान के साथ जीवन जिये। देश की सरकार इस कार्य के लिये प्रयत्न शील है। बहुत अंश में समस्त प्रजा तक सुख सुविधा पहुचने में सरकार सफल भी हो रही है फिर भी अपने देश का सरकारी खजाना भी अभाव मे रहता है। ऐसी कारण से अति शीध्र एक साथ पूरे देशवासियों को सभी सुविधाएं पहुचाना संभव नहीं हो पा रहा है। इसी कठिन परिस्थिति में सरकार को सहयोग देने के लिये समाजसेवी संस्थाओं की आवश्यकता होती है। और इस व्यस्थता की आवश्यकता केवल भारत को नहीं है अपितु सारे विश्व को समाज सेवी संस्था एवं सेवानिष्ठ सेवकों की आवयश्कता पड़ती है।

भारत सेवक समाज संगठन की कल्पना आजादी के तुरंत बाद राष्ट्र के नेताओं ने महसूस की। सत्तर वर्षो से भारत सेवक समाज देश के अनेक प्रदेशों में समाज सेवी कार्यकर्ताओं को संगठित करके जनसहयोग से अभावग्रस्त नागरिकों तक अपनी सेवा पहुँचाने के लिये प्रयत्नशील है। प्रारम्भ में सरकारी सहयोग मिला, परन्तु बाद में भारत सेवक समाज के कार्यकर्ताओं एवं बुद्वीजीवीं पदाधिकरियों को अपने ही सामर्थ्य से समाज की सेवा करनी पड़ रही है।इस समारोह में उपरोक्त लोगों के अलावा प्रमुख मदन लाल भाटिया, अरविन्द कुमार दीक्षित, सर्वेश तिवारी, सूर्य प्रकाश त्रिवेदी, श्रीमती सीमा अग्रवाल, अमरीश जैसवाल, विजय कुमार अग्रवाल, प्रदीप खत्री, अखिलेश मित्तल, प्रमोद शर्मा, अभिमन्यु सिंह, एस0के0 लाम्बा, राजेन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, शीलता प्रसाद यादव, विजय श्रीवास्तव, मनोज सिंह, रामशंकर, सुरेन्द्र सिंह, अशोक मिश्र, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अन्त में आभार कोषाध्यक्ष योगेश ठाकुर तथा सफल संचालन महामंत्री शरद प्रकाश अग्रवाल द्वारा किया गया।

आलू मंडी चकरपुर के अध्यक्ष बने पंकज कुशवाहा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आज उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी आलू मंडी चकरपुर समिति का चुनाव 50 वर्षो में पहली सम्पन्न हुआ। जिसमें आलू मंडी चकरपुर के व्यापारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। चुनाव अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद पर कराये गये। आलू मंडी चकरपुर समिति के चुनाव में अध्यक्ष पद पर पंकज कुशवाहा ने अपने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी नंद किशोर कनौजिया को 137 वोटों से हरा दिया। आलू मंडी चकरपुर के चुनाव में कुल 545 वोट थे। जिसमे कुल 533 वोट पड़े। जिसमें अध्यक्ष पद के विजयी प्रत्याशी पंकज कुशवाहा को 335 वोट मिले। महामंत्री पद मुरली जी एवं कोषाध्यक्ष पद पर विपुल गुप्ता ने जीत हासिल की।

अध्यक्ष पद पर जीते पंकज कुशवाहा ने बताया कि मंडी परिसर में पानी, बिजली, सफाई, शौचालय एवं जलभराव की समस्याओं का निराकरण करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। मंडी परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था की जाएगी। माल की आवक, खरीददार बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। दुकानों की मरम्मत और रंगरोगन का कार्य भी समिति के द्वारा कराया जाएगा। मंडी परिसर में बृक्षारोपण कार्यक्रम आलू मंडी चकरपुर समिति के द्वारा प्रमुखता से कराया जाएगा। आढ़ती भाइयों की सभी तरह की समस्याओं और पार्किंग की व्यवस्था भी प्राथमिकता से किया जाएगा।जितेंद्र शाक्य, सुभाष दुबे, राज कुशवाहा, गोपालजी, लालू, संजय, राजीव द्विवेदी, पूतु शाक्य आदि व्यापारियों ने पंकज कुशवाहा की अध्यक्ष पद पर जीत की शुभकामनाएं दी। व्यापारियों ने फूल मालाओं से पंकज कुशवाहा का स्वागत किया। मिठाई खिलाकर व्यापारियों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

नर्वल तहसील में छापेमारी कर रिश्वत मांगने के आरोप में एंटी करप्शन टीम ने कानूनगो व लेखपाल को किया गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एंटी करप्शन टीम ने नर्वल तहसील मुख्यालय में छापेमारी कर रंगे हाथ घूस ले रहे कानूनगो व लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि दोनों ने कुड़नी सर्किल में जमीन की पैमाइश कराने के नाम पर घूस मांग रहे थे। टीम ने कानूनगो विष्णु स्वरूप श्रीवास्तव को तहसील स्थित उनके कमरे से व लेखपाल रामबचन मौर्य को तहसील परिसर स्थित चाय की दुकान से गिरफ्तार किया। टीम दोनों को अपने साथ लेकर चली गई। दोनों को पकड़े जाने के बाद तहसील में अफरा-तफरी मच गई। एसडीएम नर्वल ऋषभ वर्मा ने बताया कि एंटी करप्शन टीम ने कुड़नी कानूनगो विष्णु स्वरूप श्रीवास्तव व मेहरौली लेखपाल रामबचन मौर्य को गिरफ्तार किया है। प्रकरण क्या है इसकी पूरी जानकारी नहीं हो पाई है।

एंटी करप्शन टीम द्वारा कार्रवाई किए जाने के मामले में ये बात पता चल रही है कि कुड़नी सर्किल के एक किसान से पैमाइश कराने के बदले घूस मांगी गई थी।उसी ने एंटी करप्शन टीम को सूचना दी है। जिसके बाद कार्रवाई की गई है।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर देहात में दो पक्षों के बीच जमकर चल रहे लाठी-डडे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वही पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। कानपुर देहात के थाना रसूलाबाद के अंतर्गत दो पक्षों के बीच जमकर चल रहे लाठी-डडे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वही वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है और मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया है।

बताते चलें कि वायरल हो रहा वीडियो रसूलाबाद के ग्राम दशहरा का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है संतोष ने पड़ोसियों पर आरोप लगाते हुए बताया है कि वह अपना लोडर सबमर्सिबल पंप के पानी से घर के बाहर कच्छा बनियान पहनकर धो रहे था। इसी दौरान सामने मकान में रहन वाले इब्राहिम व आसिफ उसे बनियान व अंडरवियर पहने होने की वजह से अपशब्द कहने लगे। जिसका संतोष ने विरोध किया कि वह अपने घर के बाहर है। तो उन्हें क्या दिक्कत हो रही।

इस पर इब्राहिम व आसिफ ने मिलकर उसे मारापीटा वही संतोष को बेचने आए गौरव को भी मारपीट कर घायल कर दिया। इसके बाद संतोष ने अपने साथियों को बुला लिया और इब्राहिम व आसिफ को डंडे से जमकर पीटा। वही इस दौरान दोनों पक्षों में हो रही मारपीट का वीडियो किसी राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसका संज्ञान लेते हुए तत्काल मौके पर पहुंच कर दोनों ही पक्षों को शांत कराया।

वही पूरी घटना को लेकर एएसपी राजेश पांडे ने बताया कि दो व्यक्तियों के बीच गाडी धुलने को लेकर विवाद हुआ था। जिस सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी रसूलाबाद व थाना प्रभारी रसूलाबाद द्वारा प्रकरण को तत्काल संज्ञान में लेकर कडी कार्यवाही की गयी। वर्तमान में शांति व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है ।

बैराज में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब पहुंचा,कटरी से जुड़े गांव में मचा हड़कंप

कानपुर। बैराज में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब पहुंचने से कटरी से जुड़े गांव में हड़कंप मच गया हैं। बीते दिनों कटान होने की वजह गंगा किनारे दो मकान का आधा हिस्सा ढह गया था। अब फिर से जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इससे अधिकारी अलर्ट हो गए है। अधिकारियों ने गंगा किनारे मकानों को खाली करवाकर लोगों को सरकारी स्कूल में ठहराया गया है। हरिद्वार और नरोरा डैम से लगातार पानी छोड़े जाने से गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। बैराज का चेतावनी बिंदु 114 मीटर है। अपस्ट्रीम में गंगा का जलस्तर 113.670 मीटर और डाउनस्ट्रीम पर जलस्तर 113.470 मीटर रहा।बैराज में पानी का प्रेशर को देखते हुए सारे गेट खोल दिए गए है। तेज बहाव की वजह से कटान शुरु हो गई है। इससे कटरी से जुड़े गांवों में हलचल शुरू हो गई है। ग्रामीणों ने बचाव के इंतजाम कर लिए है। वहीं, घाटों में सीढ़ियां डूब गई है। जिसे देखते हुए घाटों में जल पुलिस को तैनात किया गया है। घाटों में गंगा नहाने में पाबंदी लगाई गई है। बैराज में लगातार हरिद्वार और नरोरा बांध से पानी आने की वजह से सभी गेट खोल दिए गए है।

पुराने विवाद को लेकर दो ममेरे भाइयों के बीच जमकर चले लात-घूंसे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में हरबंशमोहाल थाना क्षेत्र में दो ममेरे भाइयों के बीच पुराने विवाद को लेकर जमकर लात-घूंसे चल गए। दोनों एक सिनेमा हॉल में गदर-2 फिल्म देखने पहुंचे थे। फिल्म देख रहे लोगों में फिल्म को लेकर विवाद दो समुदायों में विवाद की अफवाह फैला गई। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों के थाने ले आई। इसके बाद मामला शांत हुआ। समीर गुप्ता एक अखबार के सर्कुलेशन इंचार्ज हैं। वह अपने परिचितों के साथ एनवाई सिनेमा में गदर-2 देखने गए थे। वहीं, उनका ममेरा भाई राहुल भी कुछ लोगों के साथ पहुंचा था। दोनों के बीच प्रॉपर्टी को लेकर पुराना विवाद बताया जा रहा है। एक दूसरे पर कमेंटबाजी करने लगे।इसके बाद दोनों पक्षों में हॉल के अंदर ही जमकर मारपीट हुई। फिल्म देख रहे लोगों में अफरातफरी मच गई। हरबंश मोहाल थाना प्रभारी ने बताया कि फ़िल्म को लेकर दो समुदायों में मारपीट की अफवाह फैलाई गई थी। दोनों ममेरे भाई हैं। दोनों पक्षों से तहरीर लेकर कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का रक्तरंजित शव, जांच में जुटी पुलिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर देहात के थाना मंगलपुर क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे ट्रैक पर एक युवक का रक्तरंजित शव पड़ा हुआ मिला। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त करने के बाद परिजनों को सूचना दी और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस ने प्राथमिक छानबीन में रेल पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से हादसा होने की संभावना जताई है। बताते चले की मंगलपुर के ग्राम परजनी निवासी रामचंद्र उर्फ अंकू (27) गुड़गांव हरियाणा में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। उसके भाई रिंकू व पिंटू भी वहीं पर नौकरी करते हैं। एक हफ्ते पहले ही रामचंद्र पत्नी पुष्पा के साथ गांव आया था। देर शाम को वह किसी काम से खितारी जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक उसके वापस नहीं आने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इधर सुबह ट्रैक मैन ने शाहपुर व परजनी के बीच खंभा नंबर 1085/ 10-12 के बीच डाउन लाइन में एक युवक का रक्त रंजित शव पड़ा देख स्टेशन मास्टर झींझक को इसकी सूचना दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर मंगलपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। इसी दौरान रामचंद्र की तलाश कर रहे परिजन भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने शव की शिनाख्त रामचंद्र के रूप में करी। शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है।वही घटना को लेकर थाना प्रभारी मंगलपुर में बताया कि प्राथमिक छानबीन में रेल पटरी पार करते समय किसी ट्रेन की चपेट में आने से हादसा होने की संभावना लोगों ने जताई है।

हुक्का बार में छापा,संचालक हिरासत में

बीपीएस न्यूज

कानपुर। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में मकान की तीसरी मंजिल पर चल रहे हुक्का बार में शुक्रवार सुबह पुलिस ने छापा मारा। जहां स्कूल बंक कर आई किशोरियों और युवकों को पुलिस ने हुक्का पीते पकड़ा। पुलिस युवाओं को पकड़कर थाने ले आई जबकि किशोरियों के अभिभावकों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया। हालांकि पुलिस ने स्कूली छात्रों के पकड़े जाने से इंकार किया। स्वरूप नगर थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया मधुराज हॉस्पिटल के पास स्थित मकान की तीसरी मंजिल पर नाइट जंक्शन नाम से बने रेस्टोरेंट में हुक्का बार संचालित होने की जानकारी मिल रही थी। छापा मारकर देखा गया तो हुक्का बार संचालित हो रहा था। मौके से पकड़े गए युवकों पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धर्मांतरण करने वालों को रुपए,इलाज और शादी कराने समेत अन्य लालच देने का आरोप

एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने शुरू की जांच

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कोहना थाने की पुलिस ने मामले में शुक्रवार को दो के खिलाफ धर्मांतरण की एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।कोहना क्षेत्र के पुराना कानपुर मन्नी पुरवा निवासी छोटू की पत्नी बबली ने बताया, उनके मोहल्ले में रहने वाली चाची मनीषा और बहन उमा देवी ने धर्मांतरण करके ईसाई बन गई हैं। दोनों ने इनके घर पर आने वाले मैकलोन सिंह और मौरिस सिंह ईसाई बनने के बाद मोहल्ले के कई लोगों का धीरे-धीरे धर्मांतरण करा दिया। लगातार मोहल्ले में प्रार्थन सभा में शामिल होने और धर्मांतरण का दबाव बना रहे हैं। धर्मांतरण करने वालों को 10 हजार रुपए, इलाज और शादी कराने समेत अन्य लालच दे रहे हैं। अब प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए मोहल्ले के सभी लोगों पर दबाव बनाया जा रहा है। रात दिन प्रार्थना और मोहल्ले में इस तरह की गतिविधियों से परेशान होकर लोगों ने बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद के लोगों को सूचना दी। विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी कृष्णा तिवारी समेत कई लोगों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे एसीपी अकमल खान ने बताया कि मन्नी पुरवा में रहने वाली महिला बबली की तहरीर पर मैकलोन सिंह और मौरिस सिंह के खिलाफ दर्ज की गई है।ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया, कानपुर में एक के बाद एक धर्मांतरण से संबंधित 5 मामले सामने आ चुके हैं। इन सभी मामलों में एफआईआर दर्ज करके संबंधित थाने की पुलिस जांच कर रही है। इस तरह धर्मांतरण की निष्पक्ष जांच और अंकुश लगाने के लिए अब एसआईटी से जांच कराने पर विचार किया जा रहा है। इसका एक प्रस्ताव पुलिस कमिश्नर के सामने रखकर अनुमति मांगी जाएगी। इससे कि धर्मांतरण से जुड़े सभी मामलों की निष्पक्ष जांच हो सके।

फूलन देवी की याद में मनाया महिला सशक्तिकरण दिवस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजिक संस्थाओं की समन्वय समिति द्वारा आयोजित देश विदेश की महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत विश्व की चौथी क्रान्तिकारी महिला विरोध और प्रायश्चित का प्रतीक पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी के जन्मदिन के पर्व पर महिला सशक्तिकरण दिवस वी.आर. गैलेक्सी (पार्टी पैलेस), हाइवे इलाहाबाद चकेरी में सम्पन्न हुआ 7 उनके तैलचित्र पर आये हुए सम्मानित समाज सेवियों ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी 7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लौटन राम निषाद पूर्व अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग समाजवादी पार्टी डा0 अशोक कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर राजाराम पाल पूर्व सांसद,देवी प्रसाद निषाद, पूर्व प्रत्याशी छावनी विधानसभा क्षेत्र, अरविंद निषाद एडवोकेट, साधू यादव, सुनील मांझी, मनोज निषाद, रामचीजव निषाद, रामकुमार पूर्व विधायक, डॉ एस के चौधरी, प्रतिमा पाल अटल, मौलाना अनवर हम्माद,डॉ आर के सिंह अंजला वर्मा, मनोज पटेल,सोने लाल गौतम आदि रहे।

कार ने टक्कर मार बाइक सवार को कुचला, दर्दनाक मौत

कानपुर। घाटमपुर के पतारा कस्बे के पास तेज रफ़्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं कार सवार चार लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।कानपुर के शास्त्रीनगर निवासी राकेश पाल का बेटा लोकेश पाल (25) प्राइवेट नौकरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। शुक्रवार को वह बाइक से घाटमपुर जा रहा था। तभी घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा के पास पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ़्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई।वहीं कार सावर बैंगलोर निवासी सनवास वेग,भरुवा सुमेरपुर केपीटीएल ऑफिस के सीनियर एजीकेटिव उमेश प्रसाद जायसवाल, हैदराबाद निवासी आदित्य, फतेहपुर के चौडागरा निवासी रोहित घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनो को सूचना देने के साथ युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घाटमपुर थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। कार सवार बैगलोर निवासी सनवास वेग ने बताया कि वह शुक्रवार को भरुवा सुमेरपुर स्टेशन में केपीटीएल कंपनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रेलवे कर्मियो को ट्रेनिंग देने आए थे। उनके साथ हैदराबाद निवासी आदित्य थे।बताया कि दोनों लोगों की फ्लाइट शुक्रवार दोपहर कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट से थी। जिसके लिए कंपनी की ओर से उन्हें कार मिली थी। कार से भरुवा सुमेरपुर केपीटीएल कंपनी के सीनियर एजीकेटिव उमेश प्रसाद जायसवाल उन्हे छोड़ने चकेरी जा रहे थे।

बार पदाधिकारियों के डिबार आदेश पर लगी रोक, अभद्रता पर पूर्व अध्यक्ष से मांगा जवाब

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में यूपी बार कौंसिल की अनुशासन समिति द्वारा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी, महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव व मंत्री अजय प्रताप सिंह चौहान को डिबार करने के 13 जुलाई के आदेश पर रोक लगा दी गई है। तीनों की ओर से समिति के सामने हाजिर होकर एकपक्षीय आदेश को निरस्त करने की मांग की गई थी। मामले की सुनवाई 18 अगस्त को होगी। बार एसोसिएशन के रामनाथ सेठ हॉल में पत्रकार वार्ता के दौरान अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी व महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि बार एसोसिएशन में कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रहीं अंजू सिंह ने अनुशासन समिति में शिकायत दर्ज कराई थी।

जिला जज के खिलाफ आंदोलन के चलते वह लोग अपना पक्ष रखने नहीं पहुंच सके थे।

बाद में जब बार कौंसिल गए, तो संबंधित फाइल ही नहीं मिली। उपाध्यक्ष जय नारायण पांडे ने 30 जुलाई को ही एकपक्षीय आदेश को जारी न करने और फाइल खोजने के निर्देश दे दिए थे। आदेश निरस्त करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दाखिल कर दिया गया था।बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र वाजपेई, अंजू सिंह व अन्य अधिवक्ता बुधवार शाम बार एसोसिएशन कार्यालय पहुंचे थे और कंप्यूटर ऑपरेटर को बार कौंसिल के आदेश की प्रति रिसीव करने को कहा था। ऑपरेटर ने पत्र एल्डर्स कमेटी के नाम होने के कारण कार्यवाहक चेयरमैन को देने की बात कही और पत्र लेने से इनकार कर दिया था।

इस पर ऑपरेटर से अभद्रता की गई थी। अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। ऑपरेटर ने भी लिखित शिकायत की है। सुरेंद्र बाजपेई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उचित जवाब न मिलने पर संस्था अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी। यूपी बार कौंसिल को भी कार्रवाई के लिए कहा जाएगा।

बिल्हौर ग्राम न्यायालय के सामने कुछ अधिवक्ताओं ने कुर्सी-मेज डालकर बस्ते बना लिए थे। बिना किसी नोटिस या सूचना के प्रशासन द्वारा इन बस्तों को ध्वस्त कर दिया गया। इसके विरोध में लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. रवींद्र शर्मा व बिल्हौर के अधिवक्ता सतीश पाल के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम सिटी को ज्ञापन सौंपा।

घर में अकेला पाकर शोहदे ने किशोरी से दुष्कर्म करने का किया प्रयास

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के साढ़ थाना क्षेत्र एक गांव में घर में अकेला पाकर शोहदे ने किशोरी से छेड़खानी कर दुष्कर्म करने की कोशिश की। किशोरी उसे धक्का मारकर किसी तरह से भागने लगी तो आरोपित ने गिरा दिया। शोर मचाने पर धमकी देकर भाग निकला। साढ़ पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने साढ़ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि देर शाम गांव निवासी युवक हरिशंकर उनके घर में घुस आया। उस समय किशोरी घर पर अकेली थी। आरोप है कि किशोरी ने जब युवक से घर में किसी के न होने की बात कहकर जब उसे जाने को कहा तो युवक ने किशोरी के साथ छेड़खानी शुरू कर दी। जिसके बाद आरोपी युवक ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और दुष्कर्म करने की कोशिश की। जैसे तैसे किशोरी युवक से अपने को छुड़ाकर घर से बाहर की ओर भागी।

सफेद बालों की समस्या को दूर करने में कारगर साबित होते हैं मेथी के दाने

किचन में मेथी का इस्तेमाल जायके का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो सेहत और सुंदरता दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। खासकर मधुमेह और मोटापा में मेथी रामबाण दवा है।

आधुनिक समय में खराब दिनचर्या, गलत खानपान, तनाव और शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी के चलते बालों की समस्या होती है। कम उम्र में बालों की समस्या चिंता का विषय है। इस स्थिति में असमय बाल पकने और गिरने लगते हैं। इससे व्यक्ति की खूबसूरती पर बैड इंपैक्ट पड़ता है। अगर आप भी असमय बालों के पकने और गिरने से परेशान हैं, तो इससे निजात पाने के लिए मेथी के दाने का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए, इस्तेमाल करने के तरीके जानते हैं–

मेथी क्या है?

किचन में मेथी का इस्तेमाल जायके का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो सेहत और सुंदरता दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। खासकर, मधुमेह और मोटापा में मेथी रामबाण दवा है। इसके अलावा, असमय बालों के पकने और गिरने की समस्या भी दूर होती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो मेथी में घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जो कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण प्रक्रिया को धीमा करने में मदद करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

–बालों की समस्या को दूर करने के लिए रात में सोने से पहले एक गिलास पानी में एक मुठ्ठी मेथी के दाने को भिगोकर रख दें। अगली सुबह को पानी को पी लें। वहीं मेथी के दाने को पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब पेस्ट को बालों के स्कैल्प में अच्छी तरह लगाएं। जब सुख जाए, तो नार्मल पानी से बालों को धो लें।

अगर आप बालों पर पेस्ट नहीं लगाना चाहते हैं, तो मेथी के दाने और गुड़ का सेवन करें। इससे भी बालों की समस्या से निजात मिलता है।–इसके अलावा, मेथी के दाने को अच्छी तरह पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसमें नींबू का रस मिलाकर अच्छी तरीके से मिलाएं। जब पेस्ट तैयार हो जाए, तो बालों में लगाएं। इस उपाय को करने से भी बालों की समस्या से निजात मिलता है।

पर्सनल लाइफ को ऐसे प्रभावित कर रहा है वर्क फ्रॉम होम

एक तरफ कई फायदे हैं आपको अपने परिवार के साथ समय बिताने का काफी समय मिल जाता है आप घूमने का प्लान कर सकते हैं लेकिन साथ ही यह आपके शरीर के साथ दिमाग़ी सेहत पर बुरा असर भी डालता है ।कोविड–19 महामारी से हम सभी ज़िंदगी हर मायने में बदल कर रख दी है। फिर चाहे सेहत हो, पैसा, निजी ज़िंदगी या फिर प्रोफेशनल। महामारी ने एक चीज़ जो बड़े तरीके से बदली है वो है हमारी प्रोफेशनल लाइफ। कोरोना वायरस के तेज़ी से फैलने की वजह से ज़्यादातर कंपनियों ने ङ्खस्न॥ शुरू कर दिया ताकि उनके कर्मचारी सुरक्षित रहें और कंपनी के काम पर भी असर न पड़े ।जर्नल ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, कोरोना वायरस महामारी के दौरान कहीं और से काम करने और वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपयोग में काफी वृद्धि हुई, जिसका असर हमारी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। लोग ज़्यादा थकावट महसूस करने के साथ तनावग्रस्त भी हो गए हैं। लगातार हो रहीं वीडियो और ऑडियो मीटिंग, ऑफिस का काम ख़त्म करने के लिए लगातार ऑनलाइन रहने की ज़रूरत का असर सबके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। लोग इसकी वजह से ज़्यादा कमज़ोरी और तनाव महसूस करते हैं ।पिछले दो सालों में घर से काम करने की वजह से हमारी निजी ज़िंदगी और प्रोफेशनल लाइफ के बीच की लाइन मिट गई है। कोरोना वायरस महामारी से पहले हम ऑफिस का काम निपटाने के बाद घर वापस जाते वक्त या फिर दोस्तों से मिलकर ऑफिस के प्रेशर को भुला देते थे। हालांकि, अब वायरस से संक्रमित होने के डर की वजह से यह ऑप्शन आसानी से नहीं मिलता ।साथ ही कई लोगों के पास घर पर काम करने की अलग जगह बना पाना मुमकिन नहीं होता। एक ऐसी जगह जहां वह निजता के साथ एक अलग कमरे में काम कर सकें, ताकि घर के कामों से दूर रहें और काम के समय उसी पर फोकस बनाएं रखें। ऑफिस के काम के साथ घर का काम करने से तनाव और बेचैनी बढ़ती है ।वर्क फ्रॉम होम और महामारी के कारण घर से बाहर ज़्यादा जाना नहीं होता, इसलिए हम सभी का ज़्यादातर वक्त स्वेटपैन्ट्स और ट्रेक पैंट्स में ही गुज़रता है। हालांकि, साथ ही ज़रूरत से ज़्यादा खा लेने से हमारी हेल्थ पर भी असर पड़ता है। घर पर आपकी पसंदीदा चीज़ें आसानी से उपलब्ध होती हैं।

सिर्फ 1 प्याज दूर कर सकता है आपकी रोजमर्रा की ये 3 परेशानियां

किचन में इस्तेमाल होने वाले कई चीजों में से प्याज एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल सब्जी में बहुत किया जाता है। खासकर ग्रेवी वाली सब्जी में अगर प्याज नहीं डाला जाता है तो फिर सब्जी का टेस्ट बेकार ही लगता है। चिकन या मटन में प्याज का खूब इस्तेमाल होता है। लेकिन अगर आपसे यह सवाल किया जाए कि क्या आपने भोजन में इस्तेमाल करने के अलावा भी प्याज का अन्य इस्तेमाल किया है? अगर नहीं तो फिर आपको इस आर्टिकल को ज़रूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि इस लेख में हम आपको कुछ टिप्स एंड हैक्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप किचन, बाथरूम की परेशानी को दूर कर सकते हैं और पौधे का भी ख्याल रख सकते हैं। आइए जानते हैं।

ड्रेन फ्लाई की समस्या करें दूर

अच्छा अगर आपसे यह सवाल किया जाए कि किचन में सबसे अधिक कीड़े कहा लगते हैं तो फिर आप जवाब क्या हो सकता है? खैर, आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किचन सिंक के ऊपर कीड़े उड़ते रहते हैं। ऐसे में सिंक के आसपास कीड़े उड़ते रहते हैं तो उसे भगाने के लिए प्याज का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए फॉलो करें ये स्टेप्स–

इसके लिए सबसे पहले प्याज को बारीक़ काट लें।

अब प्याज और एक कप पानी को मिक्सर में डालकर महीन पीस लीजिए ।इसके बाद इसे छानकर बोतल में भर लें और सिंक पर अच्छे से छिड़काव कर लें ।इस प्रक्रिया को सप्ताह में लगभग दो से तीन बार करें। इससे ड्रेन फ्लाई की समस्या दूर हो सकती हैं।

नोट– मिश्रण में आप प्याज का पाउडर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

डायबिटीज़ है और वज़न घटाना चाह रहे हैं? तो ये अपनाए यह उपाय

व्यक्ति की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर भी असर पड़ता है। डायबिटीज़ का इलाज भले ही संभव नहीं है लेकिन सही डाइट और वर्कआउट की मदद से इसे कंट्रोल में रखा जा सकता है।

भारत में डायबिटीज़ के बेहद आम बीमारी बन गई है। कई लोगों में डायबिटीज़ जन्म के साथ देखी जाती है, तो कई लोगों में यह खराब लाइफस्टाइल और डाइट के चलते विकसित हो जाती है। डायबिटीज़ के पीछे मोटापा भी एक कारण हो सकता है। दूसरी तरफ डायबिटीज़ की वजह से भी मोटापा हो सकता है। डायबिटीज़ की वजह से व्यक्ति की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर भी असर पड़ता है। डायबिटीज़ का इलाज भले ही संभव नहीं है लेकिन सही डाइट और वर्कआउट की मदद से इसे कंट्रोल में रखा जा सकता है। वहीं, अगर आप डायबेटिक हैं और वज़न घटाना चाह रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी हो जाता है।

1. शुरुआत धीरे-धीरे करें

यह सिद्ध हो चुका है कि डायबिटीज़ दिल के साथ आपकी पूरी सेहत को प्रभावित करती है। इसलिए एक्सरसाइज़ की शुरुआत धीरे-धीरे करें। साथ ही अचानक डाइट में कई बदलाव भी नहीं कर देने चाहिए।

2. मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें

वज़न घटाने की कोशिश में फिज़िकल के साथ मानसिक तौर पर भी मज़बूती चाहिए होती है। अगर आप डायबेटिक हैं और मोटापे के शिकार भी, तो बेहतर है कि वज़न कम करने के लिए प्रोफेशनल मदद लें।

3. एक्सरसाइज़

ज़ाहिर है अगर आप वज़न कम करना चाहते हैं, तो आपको हफ़्ते में 5 दिन वर्कआउट करना ही होगा।

4. सोच समझकर खाएं

वर्कआउट रूटीन जितना ज़रूरी होता है उतनी ही डाइट भी ज़रूरी होती है। अगर आपको डायबिटीज़ है और आप वज़न कम करने की कोशिश में लगे हैं, तो आपको सोच समझकर ही खाना चाहिए।

खुद को झोंकना नहीं है

वज़न घटाने के सफर में आपको रोज़ाना वर्कआउट करने के साथ अपनी स्पीड को धीरे-धीरे बढ़ाना है। ज़रूरत से ज़्यादा वर्कआउट फायदा करने की जगहआपको नुकसान पहुंचा सकता है।

2. खाना स्किप न करें

कैलोरी को कंट्रोल करने के लिए लोग अक्सर मील छोड़ देते हैं, जो बेहद अनहेल्दी है। डायबिटीज़ में तीनों मील लेना ज़रूरी है।

3. कार्ब्स न छोड़ें

खाने के साथ कार्ब्स का सेवन भी ज़रूरी है। फाइबर को ज़्यादा ज़रूरी नहीं माना जाता, लेकिन यह गलत है। डायबिटीज़ में अनाज और फाइबर से भरपूर डाइट लेने की सलाह दी जाती है।

4. इंटरमिटेंट फास्टिंग न करें

इंटरमिटेंट फास्टिंग डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए सही नहीं होती। लंबे समय तक कुछ न खाने से आपके इंसुलिन और ब्लड शुगर के स्तर पर असर पड़ सकता है। इसके जगह आप ष्ठ्रस्॥ या फिर मेडेटेरियनिन डाइट ले सकते हैं।

6. प्रोसेस्ड और जंक फूड न खाएं

जंक, प्रोसेस्ड, डिब्बा बंद और इसी तरह के अनहेल्दी फूड्स से दूरी बनाए रखना ज़रूरी है। यह सभी फूड्स ट्रांस फैट्स, सैचुरेटेड फैट्स और सोडियम से भरपूर होते हैं, जो

कंफर्टेबल रहते हुए

ऑफिस में स्टाइलिश नजर आने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप वर्किंग लेडी हैं तो आपको पता ही होगा ऑफिस में अच्छा दिखने के साथ कंफर्टेबल रहना भी कितना जरूरी है। तो इसके लिए किस तरह के कपड़े पहनें और क्या चीज़ें हैं जरूरी आइए जानते हैं यहां।

ऑफिस में कैजुअल लुक आपके कैजुअल बिहेवियर को भी दर्शाता है वहीं प्रोफेशनल लुक आपके सीरियनेस को। तो इस बात पर गौर करें। तो किसी एक दिन ऐसा लुक कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं लेकिन हफ़्ते के पांच दिनों अगर आप कैजुअल वेयर्स में ऑफिस जा रहे हैं तो ये सही नहीं।

साइज और कंफर्ट का रखें ध्यान

परफेक्ट फिटिंग और कंफर्ट के बीच सही बैलेंस होना बेहद जरूरी है। अच्छी फिटिंग वाले कपड़े आपको प्रेजेंटेबल बनाते ह

वहीं बहुत तंग कपड़े

अनकंफर्टेबल रखते हैं। तो ऑफिस के लिए हमेशा ऐसे कपड़े चुनें जिन्हें पहनकर आप आराम से बैठ और काम कर सकें। बॉडी टाइप के अनुसार कपड़े पहनने से आप कंफर्टेबल और कॉन्फिडेंट दोनों रहते हैं। कभी भी देखादेखी किसी ट्रेंड को फॉलो न करें ज़्योंकि जरूरी नहीं वो आप पर सूट करें और आप उसमें कंफर्टेबल रहें।

. कपड़ों से झलकें आपका आत्मविश्वास

कॉन्फिडेंट व्यक्ति लोगों को हमेशा ही अट्रैक्ट करता है तो ऑफिस के लिए हमेशा ऐसे कपड़ें चुनें जिन्हें पहनकर आप कॉन्फिडेंट फील करती हों, फिर चाहे वो जींस-शर्ट हो, सूट या फिर साड़ी। अगर कलर या फैब्रिक में भी किसी तरह की खास च्वॉइस है तो उसे प्रियोरिटी दें ज़्योंकि कहीं न कहीं कॉन्फिडेंस का असर आपके काम पर भी पड़ता है।

फुटवेयर पर भी करें फोकस

ज्यादातर महिलाओं का फोकस कपड़ों पर ही रहता है। फुटवेयर्स चुनने में वो ब्रांड और क्वॉलिटी पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देती जो बहुत ही गलत आदत है।

कपड़ों का कंफर्टेबल होना जितना जरूरी है उतना ही फुटवेयर्स का भी। एक स्टडी के मुताबिक, ज्यादातर लोग सबसे पहले आपके फुटवेयर्स को नोटिस करते हैं न कि कपड़ों को, तो इस बात का ध्यान रखें। अच्छी क्वॉलिटी का कोई एक ऐसा फुटवेयर खरीद लें जो ज्यादातर कपड़ों के साथ आसानी से मैच किया जा सके।

अब नहीं होगी दाढ़ी में खुजली की दिक्कत, अगर अपनाएंगे ये आसान टिप्स

मानसून मौसम को ठंडा करने के साथ आपके दिल को भी खुश ज़रूर कर देता है, लेकिन इसके साथ कई दिक्कते भी आती हैं। उमस, सड़कों पर कीचड़ और लगातार गीलापन। साथ ही बारिश का मौसम बालों को फ्रिज़ी बना देता है। ऐसे में पुरुषों के लिए अपनी दाढ़ी का ख्याल रखना भी ज़रूरी हो जाता है। आइए जानें कि मानसून में दाढ़ी की ख्याल कैसे रखा जा सकता है।

बारिश का मौसम आते ही साथ आती है उमस। जिससे स्किन से जुड़ी कई दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। बालों में ज़्यादा पसीना आने से खुजली बंद नहीं होती। ऐसी ही दिक्कत पुरुषों को दाढ़ी के साथ भी आती है।

दाढ़ी की नियमित ट्रिमिंग करें

बरसात के समय बाल फ्रिज़ी हो जाते हैं। इसलिए जैसे पानी बरसना शुरू हो अपनी दाढ़ी को नियमित रूप से ट्रिम करना शुरू कर दें। इससे आपकी दाढ़ी के एंड्स हेल्दी रहेंगे, फ्रिज़ कम होगा और आपका लुक बना रहेगा।

बियर्ड ऑयल का इस्तेमाल करें

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि बियर्ड ऑयल इस उमस में आपकी दाढ़ी को चिपचिपा बना देगा, तो आप गलत हैं! बियर्ड ऑयल पोषण और हाइड्रेशन देता है जिससे दाढ़ी की ग्रोथ बढ़ती है। साथ ही इससे आपके लिए दाढ़ी को स्टाइल करना आसान भी हो जाएगा।

दाढ़ी को साफ रखें

आपकी दाढ़ी के नीचे की त्वचा में बहुत सारा तेल और सीबम फंस सकता है। अगर इसे ज़्यादा देर के लिए छोड़ दिया जाए, तो इससे खुजली, चकत्ते और यहां तक कि एक्ने जैसी समस्या शुरू हो सकती है।

दाढ़ी को ड्राई रखें

दाढ़ी की साफ–सफाई जितनी ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी है कि इसे अनावश्यक नमी से बचाना, ताकि आपकी दाढ़ी लंबे समय तक हेल्दी और मज़बूत रहे।

डाइट सही रखें

हमारी सेहत, दिमाग, स्किन और यहां तक कि हेल्दी बालों के लिए भी सही भोजन ज़रूरी होता है। बालों को ग्रोथ के लिए सही पोषण की ज़रूरत पड़ती है।

ठाणे के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे के दौरान 18 मरीजों की मौत, जांच समिति गठित

मुंबई। अस्पताल का दौरा करने वाली राज्य मंत्री अदिति तटकरे ने मौतों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि महाराष्ट्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करेगी कि ऐसी घटना दोबारा न हो। राकांपा प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने अस्पताल में मौतों की विस्तृत जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे ठाणे के हैं और चिकित्सीय लापरवाही के कारण ये मौतें उनके ही क्षेत्र में हुईं। राकांपा नेता ने आरोप लगाया कि इससे पता चलता है कि शिंदे ठाणे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और ''शायद सरकारें गिराने और बनाने में इतने व्यस्त हैं कि उनके पास अपने क्षेत्र के लोगों के लिए समय नहीं है।''ठाणे के पूर्व महापौर नरेश म्हास्के, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता भी हैं, ने कहा कि अस्पताल पर क्षमता से अधिक भार है और 500 मरीजों की क्षमता के मुकाबले प्रति दिन 650 मरीजों का इलाज किया जा रहा है।महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कलवा में नगर निकाय द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 18 मरीजों की मौत हो गई। निगमायुक्त अभिजीत बांगर ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मौतों को हृदय विदारक बताया और कहा कि हाल में एक ही दिन में अस्पताल में पांच लोगों की मौत के बावजूद प्रशासन नहीं जागा। बांगर ने बताया कि मृतकों में 10 महिलाएं और आठ पुरुष शामिल हैं, जिनमें से छह ठाणे शहर से, चार कल्याण से, तीन शाहपुर से, एक-एक भिवंडी, उल्हासनगर और गोवंडी (मुंबई में) से थे, जबकि एक मरीज किसी अन्य जगह से और एक अज्ञात था। आयुक्त ने कहा कि मृतक मरीजों में से 12 की उम्र 50 वर्ष से अधिक थी। इससे पहले, दिन में महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत और स्थानीय पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े ने छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 17 मरीजों की मौत होने की जानकारी दी थी।बांगर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति के बारे में जानकारी ली और एक स्वतंत्र जांच समिति के गठन का आदेश दिया।

नाबालिक रिक्शा चालकों के विरुद्ध चला अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में एक तरफ तो नाबालिक ई रिक्शा चालकों की मनमानी के कारण आय दिन जाम की स्थिति देखने को मिलती हैं।दूसरी तरफ नाबालिक ई रिक्शा चालक मुसीबत का कारण बने हुए है।इस मुसीबत को दूर करने के लिए कानपुर यातायात पुलिस कमर कस चुकी है और सड़को पर नाबालिक बच्चो द्वारा वाहन चलाने पर उन पर कार्यवाही का चाबुक भी ट्रैफिक पुलिस ने चलाना चालू कर दिया है जिसका नतीजा भी सामने देखने को मिल रहा है।आपको बता देकि शनिवार को कानपुर डीसीपी यातायात रवीना त्यागी के आदेशानुसार पूर्वी जोन नरौना चौराहा,झाड़ी बाबा पड़ाव,पनचक्की चौराहे पर नाबालिक बच्चो द्वारा वाहन चलाने पर टीएसआई शिवाकांत शुक्ल मय हमराही सिपाही,गार्ड के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमे बैटरी रिक्शा,सहित अन्य वाहन नाबालिक द्वारा चलाये जाने की कार्यवाही का निर्देश हुआ था निर्देशानुसार नरौना चौराहे पर 10 वाहन ऐसे मिले जिन्हें नाबालिक बच्चो द्वारा बेधड़क चलाया जा रहा था जिसमे एक ई रिक्शा ऐसा मिला जिसमे दूसरे ई रिक्शा की नंबर प्लेट लगा रखा था।ट्रैफिक पुलिस के इस अभियान से ऐसे मामले सामने आए है जो अपराध की श्रेणी में आते है तो ये भी कहना गलत नही है कि पूरे शहर में कितने ऐसे वाहन है जो इस तरह से वाहनों में दूसरों वाहनों की नंबर प्लेट लगाकर ट्रैफिक पुलिस को गुमराह कर रहे है और कोई घटना होने पर ये बचकर निकल जाते है। ऐसे ही छोटे छोटे अपराध एक बड़े अपराध को जन्म देते है।नम्बर प्लेटो की अदला बदली करके शहर में वाहन जोर शोर से चल रहे है अभी कुछ दिनों पहले भी कानपुर ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर शिवाकांत शुक्ला ने एक टैम्पो को पकड़ा था जिसमे भी नंबर प्लेट की अदला बदली कर टैम्पो चलाई जा रही थी जिसका पर्दाफाश भी अभियान के तहत ही हुआ था। शनिवार को अभियान के तहत एक ई रिक्शा भी ट्रैफिक पुलिस की गिरफ्त में आया जिसमे भी नंबर प्लेट बदलकर सवारियों को ढोया जा रहा था।

ऐसे में सवाल में उठता है कि इस तरह से केवल कानपुर शहर ही नही बल्कि आस पास के जिलों में भी ऐसे ही वाहन चालकों की भरमार होगी जो नंबर प्लेटो की अदल बदली कर सड़क पर फर्राटा भर रहे है।कानपुर में चलने वाले अधिकतर वाहन, ई रिक्शा,टैम्पो,व लोडर उन्नाव जिले से आते जाते है ।पकड़े गए ई रिक्शा चालकों में कई ई रिक्शा चालक जनपद उन्नाव के शुक्लागंज के है।उन्नाव जनपद में भी कानपुर जैसा अभियान चलना चाहिए जिससे कि ऐसे वाहन जो ट्रैफिक नियमो का पालन नही कर रहे है मनमाने ढंग से गली कूचों में नाबालिक द्वारा वाहन चलाये जा रहे है उन पर भी कार्यवाही का चाबुक चलना चाहिए ताकि जिससे कि नियमो का पालन न करने वालो को सबक मिल सके जिससे कि भविष्य में नियमो की अनदेखी न करे।जन्म ले रहे छोटे छोटे अपराध बड़े रूप न ले सके इसके लिए उन्नाव पुलिस को भी कोई ठोस कदम यातायात नियमों को लेकर करना चाहिए।उन्नाव जनपद के शुक्लागंज में ई रिक्शा चालकों की भी भरमार है जिसके कारण आय दिन जाम की स्थिति गंगाघाट कोतवाली से चंद कदमो की दूरी पर बनी रहती है और दूसरी तरफ नाबालिक बच्चो द्वारा ई रिक्शा चलाने का मामला भी देखा जा सकता है।

ऋण देने की योजना पर मिलकर काम करें बैंक

भुवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री भागवत के. कराड ने बैंकों और नागरिक निकायों से रेहड़ी पटरी वालों को आसानी से ऋण मुहैया कराने के लिए शुरू की गई 'पीएम स्वनिधि योजना' के लक्ष्य हासिल करने के लिए मिलकर काम करने को कहा है। कराड ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में योजना के क्रियान्वयन के आकलन के लिए शनिवार को एक क्षेत्रीय स्तर की बैठक की अध्यक्षता की। एक बयान में बताया गया कि कराड ने इस बैठक में नगर निकायों से बैंकों द्वारा लौटाए गए आवेदनों की समीक्षा करने और उनमें आवश्यक सुधार करने के बाद उन्हें फिर से बैंक में जमा कराने को कहा। आवेदनों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। बयान के अनुसार, कराड ने शहरी स्थानीय निकायों से नवोन्मेषी रणनीतियों के जरिए अपने प्रयास तेज करने की अपील की ताकि रेहड़ी पटरी वालों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जा सके। बैठक में राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों, नगर निगम आयुक्तों एवं राज्य स्तरीय बैंकर समितियों (एसएलबीसी) के संयोजकों और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ने छेड़ी ईदगाह के खिलाफ लड़ाई, अपनी जमीन पाने के लिए पहली बार दाखिल की याचिका

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले में शुक्रवार को पहली बार श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ने ईदगाह की जमीन पर अपना दावा प्रस्तुत किया. इसके लिए ट्रस्ट की ओर से एक वाद सिविल जज सीनियर डिवीजन के न्यायालय में दायर किया गया. इसमें श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी को प्रतिवादी बनाया गया है. श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ने 1968 के भूमि समझौते को गलत बताया और उसे खारिज करने की मांग की.

'सेवा संघ को नहीं था समझौते का अधिकार'

ट्रस्ट ने कहा है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (तब सेवा संघ) को समझौते का अधिकार नहीं था. लेकिन 1968 में सेवा संस्थान ने शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी से भूमि को लेकर समझौता किया था. ये समझौता गलत है. इस समझौते की डिक्री 1973 और 1974 में न्यायालय द्वारा की गई. इसे रद्द किया जाए. अब तक जन्मस्थान मामले में 17 वाद दायर हो चुके हैं, लेकिन ये पहला मामला है, जिसमें जन्मभूमि ट्रस्ट खुद ही वादी है. ये वाद ट्रस्टी विनोद कुमार बिंदल और ओमप्रकाश सिंघल की ओर से किया गया है.

मथुरा में 13.37 एकड़ भूमि पर जन्मस्थान

श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़ भूमि पर ही जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह है. जन्मस्थान का कार्य देख रहे श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी से प्रमुख दस बिंदुओं पर समझौता कर लिया था. इससे पूर्व में चले आ रहे सभी वाद समाप्त हो गए थे. कालांतर में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ का नाम परिवर्तित कर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान कर दिया गया.

'1968 का समझौता अवैध, रद्द किया जाए'

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के वकील गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने कहा, '13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है. जबकि समझौता संस्थान ने किया था. लिहाजा जब संस्थान के भूमि का अधिकार ही नहीं था तो उसके द्वारा किया गया समझौता अपने आप अवैध हो जाता है. ऐसे में उसे रद्द किया जाना चाहिए और जमीन वापस श्रीकृष्ण भूमि ट्रस्ट को वापस मिलनी चाहिए.'

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान का विवाद

ट्रस्ट के मुताबिक जिस जगह पर विवाद है, वह पहले कंस का कारागार हुआ करता था. जहां पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था. उसी स्थान पर बाद में मंदिर बनाया गया, जिसमें सदियों तक पूजा होती रही. मुगलों का राज आने पर औरंगजेब के आदेश से श्रीकृष्ण मंदिर तोड़कर वहां जबरन मस्जिद बना दी गई. यह सब ताकत के जरिए किया गया, जिसमें हिंदुओं की कोई सहमति नहीं थी. इसलिए इस जमीन को वापस हिंदुओं को दे दिया जाना चाहिए.

पहले सांड को भेजा जाता था बूचड़खाने, अब हम नंदी के रूप में कर रहे सेवा:योगी

आवारा पशु पर क्या बोले सीएम योग

अखिलेश पर सीएम योगी का तंज

अखिलेश ने क्या कहा था?

यूपी में विधानसभा का सत्र जारी है. विधानसभा में संबोधन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने सपा चीफ और विपक्षी नेता अखिलेश यादव पर निशाना साधा. सीएम योगी ने कहा कि जो बचपन से ही चांदी के चम्मच से खाने के आदी हों वो किसी की पीड़ा क्या समझेंगे. अखिलेश को जमीनी हकीकत नहीं मालूम है. इन्होंने दलित, अति पिछड़े आदि के साथ क्या व्यवहार किया था ये लोगों को पता है. वहीं, आवारा पशु के मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव के सवाल का जवाब दिया. आइए जानते हैं कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस सांड की आप बात कर रहे हैं वो इसी का हिस्सा है. ये पशुधन का पार्ट बना हुआ है. आपके समय में ये बूचड़खाने मे जाते थे. अब हम नंदी के रूप में सेवा कर रहे हैं. होमवर्क करते समय शिवपाल यादव ने कुछ पुरानी अखबार की कटिंग बीच में रख दी हैं. शिवपाल यादव पुराने नेता हैं. आपके साथ हमारी सहानभूति है. ये आपके साथ न्याय नहीं करेंगे.अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा कि मुझे राम कुमार वर्मा की पंक्तियां याद आती हैं- हे ग्राम देवता नमस्कार! हे ग्राम देवता नमस्कार! सोने-चांदी से नहीं परंतु तुमने गांव की मिट्टी से किया प्यार, हे ग्राम देवता नमस्कार! ये बात नेता प्रतिपक्ष नहीं समझेंगे. सीएम योगी ने आगे कहा कि तुम्हारी पांव के नीचे जमीन नहीं, फिर भी तुमको यकीन नहीं. दुष्यंत कुमार की ये बात नेता प्रतिपक्ष पर बिल्कुल सही बैठती है.इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि आप एक ट्रिलियन इकोनॉमी के लिए अंग्रेजी अखबार में इंटरव्यू दे रहे हैं और आपसे सांड संभाले नहीं जा रहे हैं. सभी गरीब हैं जो मर रहे हैं. आप न लॉयन सफारी बचा पा रहे हैं, न एनिमल सफारी बचा पा रहे हैं तो कम से कम सांड सफारी को बना लीजिए. कितने लोग सांड से मर रहे हैं इनकी जान तो आप बचा सकते हैं.

अंग्रेजों के जमाने के कानून अब नहीं चलेंगे: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में भारतीय संहिता सुरक्षा विधेयक, 2023 पेश किया। इस दौरान शाह ने कहा कि 1860 से 2023 तक देश की आपराधिक न्याय प्रणाली अंग्रेजों के बनाए कानूनों के मुताबिक चलती थी। तीन कानूनों को बदल दिया जाएगा और देश में आपराधिक न्याय प्रणाली में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंग्रेजों के जमाने के कानून अब नहीं चलेंगे। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 पेश किया, जो सदियों पुराने औपनिवेशिक आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में संशोधन करेगा।

अमित शाह ने कहा कि आपराधिक कानून भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए होने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के ये कानून सजा पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि जिन कानूनों को निरस्त किया जाएगाउ उन कानूनों का फोकस ब्रिटिश प्रशासन की रक्षा करना और उन्हें मजबूत करना था। उनका विचार दंड देना था, न्याय देना नहीं। इन्हें प्रतिस्थापित कर नए तीन कानून भारतीय नागरिक के अधिकारों की रक्षा का जज्बा लाएंगे। हम मंत्री ने कहा कि नए विधेयक का उद्देश्य सज़ा देना नहीं, न्याय दिलाना होगा। शाह ने कहा कि अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए सजा दी जाएगी। शाह ने कहा कि मैं आज जो तीन विधेयक पेश कर रहा हूं उनमें आपराधिक न्याय प्रणाली का सिद्धांत कानून भी शामिल है। एक है भारतीय दंड संहिता जो 1860 में बनाई गई थी, दूसरी है आपराधिक प्रक्रिया संहिता जो 1898 में बनाई गई थी और तीसरा है भारतीय साक्ष्य अधिनियम, जो 1872 में बना था। हम आज इन कानूनों को खत्म कर देंगे, जो अंग्रेज़ों द्वारा लाए गए थे।

लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के निलंबन और मणिपुर के मुद्दे को लेकर हंगामा किया। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से यह कहते सुना गया कि चौधरी ने आसन के साथ हमेशा सहयोग किया है। शोर-शराबे के बीच लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने प्रश्नकाल शुरू करने के लिए कहा। लेकिन विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा।लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर की गई कुछ टिप्पणियों और उनके आचरण के कारण बृहस्पतिवार को उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया और उनके खिलाफ इस मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने इससे जुड़ा एक प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी।

पीएम मोदी जब भी बोलते हैं, वह झूठ की सुनामी होती है: जयराम

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वह जब भी बोलते हैं, यह 'झूठ की सुनामी' होती है। राज्यसभा सांसद ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री के हालिया संबोधन का जिक्र करते हुए यह बात कही। रमेश ने एक्स पर लिखा, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था हर बार जब प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो यह दुर्व्यवहार की बाढ़ व झूठ की सुनामी होती है।संसद में उनके हालिया भाषण ने मुझे क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक के रूप में प्रशिक्षित भारत के अग्रणी विद्वानों में से एक आशीष नंदी ने 2002 की शुरुआत में सेमिनार पत्रिका में लिखी बात याद दिला दी।सांसद ने एक लेख का अंश भी साझा किया, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह नंदी द्वारा लिखा गया था, इसमें नंदी ने मोदी को फासीवादी का क्लासिक, नैदानिक मामला कहा था।यह उल्लेख किया जा सकता है कि प्रधान मंत्री ने अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देते हुए विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की आलोचना की।

पूर्व खूँखार डकैत मलखान सिंह न कांग्रेस में शामिल होते ही कहा- जनता को हमें जिताना पड़ेगा

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस हर वो प्रयास कर रही है जो उसे सत्ता में वापस ला सके। कांग्रेस दूसरे दलों के प्रभावी नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करवा रही है, हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों पर संभल कर आगे बढ़ रही है और आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों से जुड़े मुद्दों को भी तत्परता से उठा रही है। कांग्रेस में इस समय ऐसे लोग भी शामिल किये जा रहे हैं जो किसी क्षेत्र या समाज के वर्ग पर कुछ प्रभाव रखते हैं। खास बात यह है कि ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करते समय कांग्रेस उनका इतिहास नहीं देख रही है। बुधवार को जब कांग्रेस ने पूर्व डकैत मलखान सिंह को पार्टी में शामिल किया तो कई सवाल उठे। ऐसा इसलिए क्योंकि इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व डकैत मलखान सिंह ने कहा है कि पार्टी जहां-जहां हमें प्रचार की जिम्मेदारी देगी वहां जनता को कांग्रेस को जिताना ही पड़ेगा।हम आपको याद दिला दें कि मलखान सिंह 1982 में आत्मसमर्पण करने से पहले दो दशकों तक मध्य प्रदेश के चंबल क्षेत्र में एक खूंखार डकैत के रूप में जाने जाते थे। कांग्रेस में शामिल होते समय अपनी लंबी मूंछों पर ताव देते हुए मलखान सिंह ने पत्रकारों से कहा कि वह हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़े। उन्होंने सत्तारुढ़ भाजपा के शासन पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा नेताओं ने लोगों में आतंक पैदा किया है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद मलखान सिंह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में वह ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भाजपा को उखाड़ फेकेंगे।दूसरी ओर, इस अवसर पर कमलनाथ ने सत्तारुढ़ भाजपा पर अपने दो दशक लंबे शासन के दौरान लोगों के बीच भय और आतंक पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोगों ने भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है।जहां तक मलखान सिंह की बात है तो आपको बता दें कि उसके बारे में यह भी जानकारी मिलती है कि वह पहला ऐसा डकैत था जिसके पास ऑटोमैटिक अमेरिकन राइफल थी। डकैती छोड़ने के बाद उसका मन राजनीति में लगा। इसके लिए वह पहले कांग्रेस के करीब आया, उसके बाद समाजवादी पार्टी में गया। 2019 में उसने भाजपा से लोकसभा चुनाव के लिए टिकट मांगा, भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो वह कांग्रेस से नजदीकियां बढ़ाने लगा। हाल ही में जब प्रियंका गांधी ग्वालियर आई थीं तो कांग्रेस की रैली में शामिल होकर उसने स्पष्ट संकेत दे दिया था कि वह पार्टी में शामिल होगा। अब जब वह कांग्रेस में शामिल हो चुका है तो माना जा रहा है कि शिवपुरी, भिंड, दतिया और बुंदेलखंड क्षेत्र की लगभग 40 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को लाभ हो सकता है।

अतीक, अशरफ हत्या पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को लगाई फटकार

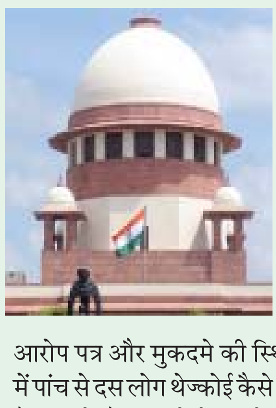

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को प्रयागराज में लोकसभा के पूर्व सदस्य अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हुई हत्या पर उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है और कहा है कि इसमें 'किसी की मिलीभगत है।' कोर्ट ने राज्य सरकार से 2017 के बाद से हुई 183 'पुलिस मुठभेड़' पर स्थिति रिपोर्ट भी मांगी है। राज्य पुलिस के अनुसार, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता संभालने के बाद से कई पुलिस मुठभेड़ में 183 लोग मारे गए हैं। जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को छह सप्ताह के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें इन मुठभेड़ का विवरण, जांच की स्थिति, दायर आरोप पत्र और मुकदमे की स्थिति का विवरण दिया जाए। पीठ ने कहा, 'उसकी (अतीक की) सुरक्षा में पांच से दस लोग थेज्कोई कैसे आकर गोली मार सकता है? ऐसा कैसे हो सकता है? किसी की मिलीभगत है।' इसने गैंगस्टर से नेता बने अहमद की बहन आयशा नूरी की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस भी जारी किया। नूरी ने याचिका में अपने भाइयों की हत्या की व्यापक जांच के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि याचिकाकर्ता विशाल तिवारी की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें पुलिस मुठभेड़ और इनमें पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच के लिए एक स्वतंत्र न्यायिक जांच आयोग गठित करने का अनुरोध किया गया था ।

स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर कैम्प का किया गया आयोजन

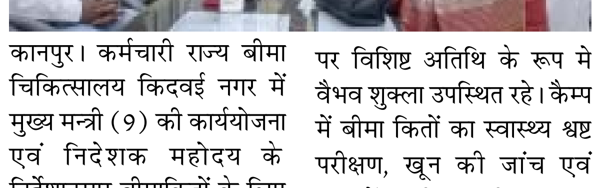

कानपुर। कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय किदवई नगर में मुख्य मन्त्री (9) की कार्ययोजना एवं निदेशक महोदय के निर्देशानुसार बीमाकितों के लिए स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि सोमनाथ तिवारी (सांसद प्रतिनिधि) एवं चिकित्सा अधीक्षक जय रश्मि गुप्ता ने मिलकर स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे वैभव शुक्ला उपस्थित रहे। कैम्प में बीमा कितों का स्वास्थ्य श्वष्ट परीक्षण, खून की जांच एवं दवाओं का वितरण किया गया, कैम्प में डा0 वी. के. गोयल, डा जय प्रकाश, जय कृष्ण, रंजन द्विवेदी, डा0 नीरज एवं डा0 अर्चना मैजूद रहीं। मंच का संचालन माधवेन्द्र तिवारी द्वारा किया गया।

सनी देओल की 'गदर 2' ने रच दिया इतिहास, एडवांस बुकिंग में बिक गए 20 लाख टिकट

कृति के कैरियर का सिलसिला

आदिपुरुष की वजह से इन दिनों कृति सेनन की जो आलोचना हो रही है,उस प्रसंग में कोई नई चर्चा बेमानी है।इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल कर चुकी कृति की फिल्मी इंजीनियरिंग अब नजर आ रही है। फिल्मी परदे पर सेरोगेट मदर के तौर पर आकर वह एक झटके में लाइम लाइट में आ गई थी। मगर इसके बाद से उनके साथ कुछ खास अच्छा नहीं हो रहा है। इन दिनों सोशल मीडिया में आलोचनाओं के तीखे तीर उन्हें हर तरफ से चुभ रहे हैं। फिलहाल उन्हें इस सिलसिले से मुक्त होने में कुछ वक्त तो लगेगा ही।

सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर के बाद से फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट लोगों में साफ नजर आ रही थी। फिल्म की एडवांस बुकिंग जैसे ही शुरू हुई थी लोगों ने पहले से ही टिकट बुक करके रख ली थी। सनी देओल की फिल्म गदर 2 ने एडवांस बुकिंग के मामले में इतिहास रच दिया है। डायरेक्टर अनिल शर्मा ने एडवांस बुकिंग को लेकर जानकारी दी है।

अनिल शर्मा ने सोशल मीडिया पर फिल्म की एडवांस बुकिंग को लेकर जानकारी दी है उन्होंने ट्वीट करके बताया कि 20 लाख टिकट एडवांस बुकिंग में बिक गए हैं फैंस ने भी इस पर खूब खुशी जाहिर की है।

एडवांस बुकिंग में बिके 20 लाख टिकट

अनिल शर्मा ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- ईश्वर की असीम कृपा, गदर 2 पर 20 लाख टिकट एडवांस में बिक गए हैं। फैंस ने भी अनिल शर्मा के पोस्ट पर रिएक्ट किया है। एक फैन ने लिखा- वाह सर मजा आ गया... रिकॉर्ड पे रिकॉर्ड बन रहे हैं वहीं दूसरे ने लिखा- ये तो होना ही था सर, गदर 2 को देश की जनता का प्यार और सपोर्ट मिला है... सनी सर

बता दें गदर 2 की एडवांस बुकिंग इसी हफ्ते शुरू हुई थी जैसे ही एडवांस बुकिंग ओपन हुई थी तभी से फिल्म की शानदार बुकिंग शुरू हो गई थी। फिल्म को लॉन्ग वीकेंड का खूब फायदा होने वाला है। गदर 2 का फैंस में क्रेज बहुत ज्यादा है।

सनी देओल और अमीषा पटेल की गदर का सीक्वल 22 साल बाद आ रहा है। 22 सालों तक लोगों ने गदर 2 का इंतजार किया है। फिल्म में उत्कर्ष शर्मा भी नजर आए हैं उन्होंने ही गदर में जीते के बचपन का किरदार निभाया था। गदर 2 का क्लैश अक्षय कुमार की ओएमजी 2 से हुआ है। दोनों ही फिल्मों से लोगों को उम्मीद है। गदर 2 और ओएमजी 2 का सब्जेक्ट एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है जिसकी वजह से लोग दोनों ही फिल्में देखना चाहते हैं।

नेताओं पर बनी फिल्में विवाद और प्रतिसाद

फिल्में मनोरंजन का माध्यम होती हैं, इनका राजनीति से कोई वास्ता नहीं होता। लेकिन, फिर भी फिल्मों के नाम पर राजनीति भी होती है और राजनीतिक विषयों पर फ़िल्में भी बनती रहती हैं। यहां तक कि कई राजनेताओं पर भी फ़िल्में बनाई जाती हैं। इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री से लेकर नरेंद्र मोदी तक पर फ़िल्म बनी। लेकिन, कुछ ऐसे जन नेताओं पर भी फ़िल्में बनाई गई, जो किसी बड़े पद पर नहीं पहुंचे। अभी भी देश के दो प्रधानमंत्रियों पर बन रही फ़िल्में चर्चा में हैं। एक है इंदिरा गांधी पर और दूसरी अटल बिहारी वाजपेयी पर। ये दोनों राजनेता अपने समय में काफी चर्चित रहे। नाम से जाहिर है इंदिरा गांधी पर बन रही नई फिल्म 'इमरजेंसी' इस महिला राजनेता के विवादास्पद दौर के फैसलों पर बन रही है।

पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म `डबल आईस्मार्ट' में नजर आएंगे संजय दत्त

फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म डबल आईस्मार्ट में तेलुगु अभिनेता राम पोथिनेनी के साथ बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त भी नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने शनिवार को इसकी घोषणा की। फिल्म निर्माता जगन्नाथ और चार्ममे कौर के बैनर 'पुरी कनेक्ट्स' के तले बनने वाली यह फिल्म 2019 की सुपरहिट 'आईस्मार्ट शंकर' की अगली कड़ी है। फिल्म निर्माताओं ने संजय दत्त के 64वें जन्मदिन के मौके पर इनके फिल्म से जुड़ने की घोषणा की। पुरी कनेक्ट्स ने ट्वीट किया, 'फिल्म डबल आईस्मार्ट की टीम अब और भी बड़ी हो गई है। फिल्म में संजय दत्त का स्वागत है।' बैनर ने फिल्म में दत्त द्वारा निभाये जाने वाले किरदार का एक पोस्टर भी साझा किया, जिसमें वह कानों में बाली, हाथों में अंगूठियां और उंगलियों पर टैटू में नजर आ रहे हैं। अभिनेता संजय दत्त ने कहा कि वह 'डबल आईस्मार्ट' फिल्म में जगन्नाथ और पोथिनेनी के साथ मिलकर काम करने को लेकर बहुत रोमांचित हैं। फिल्म की शूटिंग कुछ दिन पहले मुंबई में शुरू हुई थी। इस फिल्म को फिल्माने के लिए हॉलीवुड के जाने-माने छायाकार जियानी जियानेल्ली को चुना गया है। यह फिल्म अगले साल आठ मार्च को तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म 'डबल आईस्मार्ट' के अलावा संजय दत्त तमिल फिल्म 'लियो' में भी नजर आएंगे। दत्त के अलावा इस फिल्म में तलपति विजय भी मुख्य किरदार में हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है।

आंधी' से 'इंदु सरकार' तक

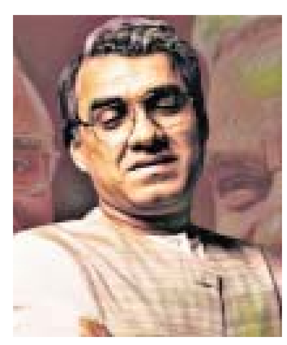

इससे पहले गुलजार ने 1975 में 'आंधी' फिल्म बनाई थी, जिसमें फिल्म की नायिका सुचित्रा सेन एक महिला राजनेता के किरदार में नजर आई थीं। हालांकि, फिल्म की कहानी से इंदिरा गांधी का कोई तारतम्य नहीं था, पर नायिका के पहनावे को पूर्व प्रधानमंत्री से जोड़कर देखा गया। विवाद होने पर इस फिल्म को प्रतिबंधित कर दिया गया था। साल 1977 में जब कांग्रेस सरकार गिरी और जनता पार्टी की सरकार आई, तब इस फिल्म को रिलीज़ किया। वैसे इंदिरा गांधी पर पहले भी कई फिल्में बन चुकी हैं, जिसमें पहले आई फिल्मों के अलावा 2005 में आई अमु, 2016 में रिलीज हुई अक्तूबर, 2017 में आई 'इंदु सरकार' शामिल हैं। वहीं कई फिल्मों की कहानी में इंदिरा गांधी को भी जोड़ा गया। ऐसी फिल्मों में बेल बॉटम, पीएम नरेंद्र मोदी, थलाइवी और ठाकरे के नाम सामने आते हैं।

एक्टिंग से राजनीति में आने वाली जया प्रदा को 6 महीने जेल की सजा, कोर्ट ने 5 हजार का जुर्माना भी लगाया

अभिनेत्री से नेता बनीं जया प्रदा को चेन्नई की एक अदालत ने छह महीने कैद की सजा सुनाई। कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) निगम को देय योगदान के भुगतान के वैधानिक दायित्वों का पालन करने में विफल रहने के लिए उन पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

अभिनेत्री से नेता बनीं जया प्रदा को चेन्नई की एक अदालत ने छह महीने कैद की सजा सुनाई। कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) निगम को देय योगदान के भुगतान के वैधानिक दायित्वों का पालन करने में विफल रहने के लिए उन पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता जया प्रदा को एक पुराने मामले में चेन्नई की एक अदालत ने छह महीने जेल की सजा सुनाई है। उन पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है क्योंकि उन पर अपने थिएटर के श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) का पैसा नहीं देने का आरोप था। जया प्रदा और उनके भाई राज बाबू जयाप्रदा सिने थिएटर के पार्टनर थे। एग्मोर में दूसरी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने दोनों को ईएसआई निगम को देय योगदान के भुगतान के वैधानिक दायित्वों का पालन करने में विफल रहने का दोषी ठहराया।

ईएसआई कॉर्पोरेशन ने जया प्रदा और उनके भाई के खिलाफ 1991 (नवंबर) से 2002 (सितंबर) तक 8,17,794 रुपये का भुगतान न करने पर शिकायत दर्ज की थी। अदालत ने आरोपी को शिकायतकर्ता को बकाया राशि का भुगतान करने का आदेश दिया। ईएसआई ने कहा कि आरोपी ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 85 (ए) के तहत योगदान का भुगतान न करने का अपराध किया है, जो अधिनियम की धारा 85 (आई) (बी) के तहत दंडनीय है।

तीन साल में एक बार पड़ती है परमा एकादशी, जानिए शुभ मुहूर्त और पूजन विधि

जया प्रदा हिंदी और तेलुगु फिल्म उद्योगों में सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक हैं। बाद में, उन्होंने फिल्म उद्योग छोड़ दिया और 1994 में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गईं और राजनीति में कदम रखा। वह पहले राज्यसभा सांसद और फिर लोकसभा सांसद बनीं। वह 2019 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं।

फिल्मी फसानों में बार-बार चांद के दीदार

अपोलो अभियान का तृतीय मानव अभियान 'अपोलो 13' था, जिस पर इसी नाम से फिल्म बनी। अपोलो 13 को 1970 में प्रक्षेपित किया गया था। यह फिल्म 1995 में रिलीज हुई थी। इस अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण के दो दिन बाद ही इसमें विस्फोट हुआ, जिस कारण नियंत्रण यान से ऑक्सीजन का रिसाव शुरू हो गया और बिजली व्यवस्था चरमरा गई थी। अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रयान को जीवन रक्षक यान के रूप में प्रयोग किया और पृथ्वी पर लौट आने में सफल रहे। साल 1989 में आई फिल्म 'मूनट्रैप' साइंस फिक्शन थी जिसका कनेक्शन चांद से था। फिल्म में दिखाया गया था कि दो स्पेस शटल एस्ट्रोनॉट्स को कुछ रोबोट चांद का लालच देकर ले जाते हैं। क्योंकि, उन्हें मानव अंग चाहिए होते हैं।

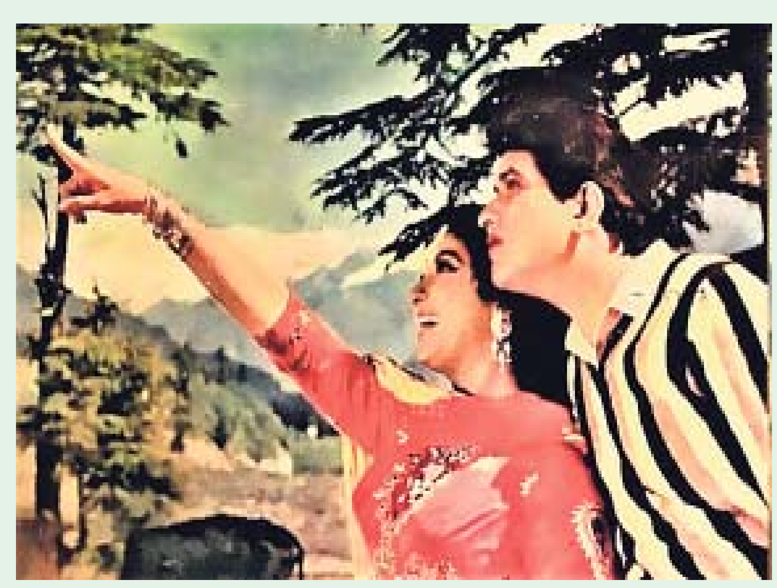

बेशक आजकल चंद्रयान मिशन की वजह से चांद खूब चर्चा में है लेकिन हिंदी फिल्मों की कहानियों व गीतों में तो चांद हमेशा छाया रहा है। यूं तो केवल चांद को लेकर कहानियों के प्लॉट कम ही रचे गये लेकिन कथानकों में चांद को बतौर प्रेम के प्रतीक खूब प्रयोग किया गया। कभी चांदनी रात में प्रेम परवान चढ़ा, कभी प्रेमी-प्रेयसी के लिए चांद की उपमा दी गयी तो कभी उलाहना भी। वहीं फिल्मों के नाम और गीतों में चांद का इस्तेमाल बहुतायत में हुआ।

अभी तक चांद हमारी पहुंच से दूर था। अब उसे तीसरी बार छूने की कोशिश की गई है। यह कोशिश सफल होती है या नहीं, वह बात अलग है। पर, चांद एक बार फिर चर्चा में है। हमारे पर्व, त्योहार और सामाजिक मान्यताओं में चांद को बरसों से पूजा जा रहा है। वहीं चांद के साथ कई कल्पनाएं जुड़ी हैं, उनमें एक है प्रेम का प्रतीक। प्रेमी अपनी प्रेमिका की सुंदरता की कल्पना चांद से करता है। यही कारण रहा कि हमारी फिल्मों और फ़िल्मी गीतों में भी चांद छाया रहा। फिल्मकारों ने चांद की तमाम कलाओं को समेटकर सेल्युलाइड पर उतारने का प्रयास किया। दूज के चांद से लेकर पूनम के चांद तक को पृष्ठभूमि में रख फ़िल्मों ने हमेशा दर्शकों को गुदगुदाया। जबकि, धरती से हजारों मील दूर चांद ने भी फिल्मकारों को कई दिलचस्प अवसर दिए। उन्होंने कभी फिल्म के शीर्षक से चांद को जोड़ा तो कभी गीत में चांद को हिस्सेदार बनाया। हीरो-हीरोइन के सुर में सुर मिलाकर दर्शकों को भी गुनगुनाने के लिए मजबूर किया। चांदनी रात में बांहों में बांहें डाले प्रेमी युगल को दिखाकर बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी पायी।

याद किया जाए तो चांद शीर्षक से बनने वाली फिल्मों में चांद, दूज का चांद, चौदहवीं का चांद, चांद मेरे आजा, चोर और चांद, चांद का टुकड़ा, ईद का चांद, चांदनी, ट्रिप टू मून, पूनम, पूनम की रात सहित दर्जनों फिल्में बनी और इनमें ज्यादातर सफल हुई! वहीं चांद को केंद्र में रखकर अभी तक कई फ़िल्में बन चुकी हैं। 'मिशन मंगल' से लेकर 'रॉकेट्री' और 'मून मिशन' जैसी कई फ़िल्में आई जिनमें चांद पर ही कथानक लिखे गए। साल 1963 में आई 'कलाई आरसी' पहली इंडियन स्पेस फिल्म थी, जिसमें स्पेस ट्रैवलिंग और एलियंस को दिखाया गया था। इसके बाद अंतरिक्ष मिशन और स्पेस पर कई फिल्में बनीं। साल 1967 में आई 'चांद पर चढ़ाई' साइंस फिक्शन फिल्म थी जिसमें चांद पर लैंडिंग को कल्पना के जरिये दिखाया गया था। जबकि, इसके दो साल बाद अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह पर उतरे थे। इस फिल्म में एस्ट्रोनॉट की भूमिका में दारा सिंह थे। विक्रांत मैसी और श्वेता त्रिपाठी की फिल्म 'कार्गो' में 2027 का समय दिखाया गया था, जब इंसान चांद से आगे मंगल और बृहस्पति तक पहुंच जाएगा।सिर्फ हिंदी फिल्मकारों को ही चांद के प्रति आकर्षण नहीं रहा, हॉलीवुड में भी चांद हमेशा जिज्ञासा का विषय रहा है। वहां ऐसी कई फ़िल्में बनाई जो मून मिशन पर केंद्रित थीं। ऐसी ही एक फिल्म थी 'द मार्शियन' (2015) जिसका डायरेक्शन रिडले स्कॉट ने किया था। इसमें मैट डैमन की मुख्य भूमिका थी। यह फिल्म एक मिशन की कहानी थी जिसमें मुख्य किरदार को कई परेशानियां उठानी पड़ती हैं। फिल्म ने कई अवार्ड जीते। चांद की धरती पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति नील आर्म स्ट्रांग की जिंदगी पर बनी फिल्म 'फर्स्ट मैन' 2018 में रिलीज हुई थी। डेमियन शैजेल के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में नील आर्म स्ट्रांग का कथानक है। जब उन्होंने चांद पर कदम रखा तो उनके सामने क्या चुनौतियां आईं और कैसा रहा था, यह मिशन उन सारी बातों पर ध्यान खींचती है। साल 2007 में आई फिल्म 'इन द शैडो ऑफ मून' का डायरेक्शन डेविड सिंगटन और क्रिस्टोफर रिले ने किया था। इस फिल्म में अमेरिका की उन कोशिशों का जिक्र था जब 1960-70 में अमेरिका की सरकार ने चांद पर जाने का अभियान शुरू किया था।

सिर्फ फिल्मों के शीर्षकों में ही चांद नहीं उतरा। चांद पर सैकड़ों गीत भी लिखे गए। 'दिल' शब्द के बाद शायद 'चांद' ही गीतकारों का पसंदीदा रहा। जहां भी नायिका के रूप को कल्पनाशीलता में बांधा गया, चांद को जरूर याद किया गया। फिर चाहे वो 'चौदहवीं का चांद हो या आफ़ताब हो जो भी हो तुम खुदा की कसम' जैसा कालजयी गीत ही क्यों न हो। इसमें नायक ने अपनी नायिका को चांद के बहाने न जाने कितनी उपमाएं दी। माहौल चाहे खुशी का हो या गम का, मिलन का हो या जुदाई का, हिंदी फिल्मों में चांद को हमेशा प्रतीक या गवाह बनाने के प्रयास किए गए। धीरे-धीरे चल चांद गगन में (लव मैरिज 1959), खोया-खोया चांद, खुला आसमान (काला बाज़ार 1960), चौदहवीं का चांद हो या आफताब हो (चौदहवीं का चांद 1960), ये चांद सा रोशन चेहरा, जुल्फों का रंग सुनहरा' (कश्मीर की कली 1964), चलो दिलदार चलो चांद के पार चलो (पाकीजा 1972), चांद ने कुछ कहा, रात ने कुछ कहा, तू भी सुन बेखबर, प्यार कर (दिल तो पागल है 1997), जाने कितने दिनों के बाद गली में आज चांद निकला (जख़्म 1998), चंदा मामा सो गए, सूरज चाचू जागे' (मुन्ना भाई एमबीबीएस 2003) के अलावा चांद सी महबूबा हो मेरी समेत सैकड़ों सुरीले गीत चांद पर रचे गए। ख़ास बात ये कि चांद की हकीकत जानने के बाद भी इनमें कमी नहीं आई!

कूनो नेशनल पार्क पहुंचे नामीबिया के चीते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर 17 सितंबर 2022 को मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीतों को रिलीज कर दिया।

गति	वजन	लंबाई	ऊंचाई	आयुसीमा
64 मील/घंटा	77 से 143 पाउंड	3.7 से 4.6 फीट	2 से 2.7 फीट	14 से 20 साल

- चीतों को **ग्रासलैंड** यानी थोड़े ऊंची घास वाले मैदानों इलाकों में रहना पसंद है. ये घने जंगलों में नहीं रहते.
- मौसम में ज्यादा उमस न हो. **थोड़ा सूखा** रहे. बारिश ज्यादा न हो. तापमान बहुत ठंडा न हो.
- नेशनल पार्क का बफर जोन **1235 वर्ग किलोमीटर** है. कम ढाल वाली पहाड़ियां हैं.
- नेशनल पार्क का अधिकतम औसत तापमान **42.3 डिग्री सेल्सियस** रहता है.
- सबसे कम तापमान **6 से 7 डिग्री सेल्सियस** रहता है.
- कूनो नेशनल पार्क में चीतों के लिए बहुत कुछ है. जैसे- चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली सुअर, चिंकारा, चौसिंघा, ब्लैक बक, ग्रे लंगूर जैसे जीव.
- चीता जमीन पर हो या पहाड़ी पर. घास हो या पेड़, उसे खाने की कमी नहीं होगी. यहां सबसे ज्यादा **चीतल** मिलते हैं.
- कूनो नेशनल पार्क के **748 वर्ग किलोमीटर** को चीतों के लिए पूरी तरह संरक्षित कर दिया गया.
- चीते उन जीवों का शिकार करते हैं जो औसतन **60 किग्रा या उससे कम वजन** के होते हैं.
- 10 फीसदी बंदर चीते के शिकार हो सकते हैं. 30 फीसदी नीलगाय या सांभर चीतों के शिकार बन सकता है. यानी खाने के लिए चीतल की आबादी पर्याप्त है.
- चीतों को शुरुआत में **6 वर्ग किलोमीटर** के फेंसिंग वाले बाड़े में रखा जाएगा. ताकि सारे चीते एकदूसरे को समझ सकें.

राजस्थान की इन जगहों को पसंद करते हैं ज्यादातर लोग

राजस्थान में घूमने के लिए जगहों की कोई कमी नहीं है रोमांटिक, ऐतिहासिक या फिर धार्मिक जगहें, यहां पर आपको सबकुछ मिलेगा। राजाओं–महाराजों की अनोखी विरासत को खुद में समेटे राजस्थान को कई खूबसूरत स्थलों, शानदार होटलों, सुंदर झीलों, रेगिस्तान के लिए अच्छी तरह से जाना जाता है। जैसलमेर के प्रसिद्ध टीलों का पता लगाने के लिए कैमल राइड, पैडलबोट पर माउंट आबू की नक्की झील पर जाएं या फिर उदयपुर के सिटी पैलेस में कैंडललाइट डिनर करें। राजस्थान हर तरह से खूबसूरत है।

राजाओं–महाराजों की अनोखी विरासत को खुद में समेटे राजस्थान को कई खूबसूरत स्थलों, शानदार होटलों, सुंदर झीलों, रेगिस्तान के लिए अच्छी तरह से जाना जाता है। आइए, जानते हैं खास की सबसे ट्रेंडिंग जगहऐतिहासिक इमारतें, महल और किले राजस्थान का नाम याद आते ही ये चीजें अपने आप दिमाग में आने लग जाती हैं।

जोधपुर -राजस्थान में दूसरा सबसे बड़ा शहर (जयपुर के बाद), जोधपुर है। जोधपुर शहर का पुराना ऐतिहासिक खंड भव्य मेहरानगढ़ किले के चारों ओर स्थित है। शहर भर में घुमावदार सड़कें और अंतहीन बाजार हैं, जो दुकानों से घिरे रहते हैं और साल भर यहां टूरिस्ट की भीड़ लगी रहती है। इस जगह को ब्लू सिटी के रूप में भी जाना जाता है, जोधपुर शानदार उम्मेद भवन पैलेस और जसवंत थडा (मारवाड़ के ताजमहल के रूप में भी जाना जाता है) का घर है।

जैसलमेर -शहर के ऊपर एक शानदार किला, रेत के टीले, चमकते बलुआ पत्थरों की इमारतों की एक श्रृंखला है। जैसलमेर फोर्ट (राजस्थान के स्वर्ण किले के रूप में भी जाना जाता है) शहर का सबसे शानदार आकर्षण है, जो शहर के ऊपर एक ऊंचे स्थान पर स्थित है।यहां कैमल राइड भी खूब की जाती है।जैसलमेर की घुमावदार गलियों में चहल-पहल वाले बाजार हैं, जहां से आप राजस्थानी यादगार चीजें खरीद सकते हैं। मसालेदार वेज करी, रेड मीट और स्वादिष्ट मिठाइयों के लिए राजस्थान मशहूर हैं।

उदयपुर -इस जगह को सुरज्य शहर भी कहा जाता है। यहां रोमांटिक वॉक की जाती है। कपल्स इस जगह को बेहद पसंद करते हैं। और आप ऐतिहासिक इमारतों को देखेंगे, तो आपको राजस्थान की ठाट-बाट दिखेंगे। महलों, हवेलियों, गुलजार सड़कों और खूबसूरत झीलों के लिए मशहूर इस जगह को %पूर्व का वेनिस और झीलों का शहर भी कहा जाता है।

जयपुर -सिटी पैलेस, हवा महल की जटिल नक्काशीदार दीवारें, जंतर मंतर की सुंदरता और अंबर किले-जयपुर के भव्य रूप से निर्मित महल राजसी राजस्थानी वास्तुकला के लिए मशहूर है। ऐतिहासिक इमारतों, किलों और वर्ल्ड क्लास होटलों और मल्टी क्यूजिन रेस्टोरेंट का आनंद लेकर आपको यहां बहुत अच्छा लगेगा।

कामाख्या मंदिर में

हर साल मनाया जाता है विश्व प्रसिद्ध अम्बुबाची महापर्व

कामाख्या देवी को माँ दुर्गा का अवतार माना जाता है। मान्यता के अनुसार यहाँ पर माता सती की योनि यहां गिरी थी, इसलिए इस स्थान को 51 शक्तिपीठों में से सबसे प्रमुख स्थल माना जाता है। हर साल यहाँ भव्य अम्बुबाची मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें शामिल होने के लिए श्रद्धालु, साधु–संत और तांत्रिक दूर–दूर से आते हैं।

गुवहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर भारत के सबसे लोकप्रिय मंदिरों में से। कामाख्या देवी को माँ दुर्गा का अवतार माना जाता है। मान्यता के अनुसार यहाँ पर माता सती की योनि यहां गिरी थी, इसलिए इस स्थान को 51 शक्तिपीठों में से सबसे प्रमुख स्थल माना जाता है। हर साल यहाँ भव्य अम्बुबाची मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें शामिल होने के लिए श्रद्धालु, साधु-संत और तांत्रिक दूर-दूर से आते हैं। इस साल अंबुबाची मेला 22 जून बुधवार से 26 जून रविवार तक चलेगा। मंदिर के प्रबंधन के मुताबिक 22 जून को मंदिर का दरवाजा बंद हो जाएगा। इसके बाद 26 जून की सुबह सात बजकर 51 मिनट और 58 सेकेंड पर मंदिर के कपाट खुलेंगे। 26 जून को ही देवी के पूजा स्नान के बाद मंदिर के कपाट खोले जाएंगे। इसके बाद प्रसाद वितरण का कार्यक्रम शुरू होगा। अंबुबाची शब्द अंबु और बाची शब्दों को मिलाकर बना है। अंबु का अर्थ है पानी और बच्ची का अर्थ है उत्फूलन। यह मेला उस समय लगता है जब मां कामाख्या रजस्वला रहती हैं। अंबुबाची योग पर्व के दौरान मां भगवती के गर्भगृह के कपाट स्वतः ही बंद हो जाते हैं। इस दौरान उनके दर्शन निषेध हो जाते हैं। तीन दिनों के बाद मां भगवती की रजस्वला समाप्ति पर उनकी विशेष पूजा एवं साधना की जाती है। चौथे दिन ब्रह्म मुहूर्त में माता को स्नान करवाकर श्रृंगार के बाद ही श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खोला जाता है।

प्रसाद में दिया जाता है गीला कपड़ा

मां भगवती का योनीमुद्रापीठ दस सीढ़ी नीचे एक गुफा में स्थित है। यहां हमेशा एक अखंड दीपक जलता रहता है। अंबुबाची मेले के दौरान भक्तों को प्रसाद के रूप में एक गीला कपड़ा दिया जाता है। इसे अंबुबाची वस्त्र कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि देवी के रजस्वला होने के दौरान देवी की प्रतिमा के आसपास एक सफेद कपड़ा बिछा दिया जाता है।

तीन दिन बाद जब मंदिर के कपाट खोले जाते हैं तो वस्त्र माता में रज से लाल हो जाता है। बाद में इसी वस्त्र को भक्तों में प्रसाद के रूप में दिया जाता है। मान्यता है कि जिस भी भक्त के हाथ में प्रसाद आता है उसके सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। दूर-दूर से लोग यहां माता के दर्शन करने और माता का प्रसाद लेने के लिए इस मेले में शामिल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिस भक्त को यह कपड़ा मिलता है उसकी किस्मत बदल जाती है।

इकॉनमी क्लास की टिकट लेकर भी ले सकते हैं बिजनेस क्लास का मज़ा

हर एयरलाइन में दो तरह के क्लास होती हैं इकॉनमी और बिजनेस क्लास। इकॉनमी क्लास की टिकट बिजनेस क्लास के मुकाबले सस्ती होती है। लेकिन बिजनेस क्लास में ज्यादा सुख सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन बिजनेस क्लास की राशि काफी ज्यादा होती है। लेकिन आप कुछ टिप्स को फॉलो करके इकॉनमी क्लास में भी बिजनेस क्लास के मजे ले सकते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह फ्लाइट में सफर करे। हवाई यात्रा में आपको एक अलग ही लग्जरी और कंफर्ट मिलता है। हर एयरलाइन में दो तरह के क्लास होती हैं इकॉनमी और बिजनेस क्लास। इकॉनमी क्लास की टिकट बिजनेस क्लास के मुकाबले सस्ती होती है। लेकिन बिजनेस क्लास में ज्यादा सुख सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन बिजनेस क्लास में यात्रा करना एक आम आदमी की बात नहीं है क्योंकि इसकी राशि काफी ज्यादा होती है। लेकिन आप कुछ टिप्स को फॉलो करके इकॉनमी क्लास में भी बिजनेस क्लास के मजे ले सकते हैं। आइए जानते हैं –

अगर आप इकोनॉमी क्लास में बिजनेस क्लास जैसे मजे लेना चाहते हैं तो एग्जिट रो में सीट का विकल्प चुनें। हालांकि एग्जिट रो में सीट लेने के लिए आपको कुछ अतिरिक्त पैसों का भुगतान करना होगा। लेकिन इस तरह आपके कौन में क्लास में भी आराम से बैठकर जा सकते हैं।

स्लीपिंग मास्क है जरुरी

अगर आप इकॉनमी क्लास में आराम से यात्रा करना चाहते हैं तो अपने बैग में एक सॉफ्ट स्लीपिंग मास्क जरूर रखें। अक्सर लोग इस बात को ज्यादा अहमियत नहीं देते हैं। लेकिन ऐसा करने से आपकी यात्रा खराब हो सकती है। खास तौर पर नाइट जर्नी में स्लीपिंग मस्क आपके साथ में जरूर होना चाहिए।

अपनी पसंद का खाना लेकर चलें

अगर आपने फ्लाइट में यात्रा की है तो आप जानते ही होंगे कि एयरलाइंस की तरफ से दिया गया खाना हर किसी को पसंद नहीं आता है। इसलिए आप बोर्डिंग से पहले अपनी पसंद का खाना खरीद सकते हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले एयरलाइन के नियमों के बारे में ठीक से जानकारी ले लें। कई एयरलाइंस अपने यात्रियों को खाना ले जाने की अनुमति नहीं देती हैं।

यात्रा में पहनें कम्फर्टेबल कपड़े

जब भी आप लंबी यात्रा कर रहे हैं तो आपको हमेशा कंफर्टेबल कपड़े पहनने चाहिए। आपने कई सेलेब्रिटीज को भी फ्लाइट में पजामा और नाइट सूट जैसे कंफर्टेबल कपड़े पहने हुए देखा होगा। अभी इसी तरह के कपड़े चुनें। इससे आपको फ्लाइट में अच्छी नींद आएगी और एकदम बिजनेस क्लास वाली फीलिंग आएगी।

नेक पिलो को ना भूलें

जब भी आप लंबी यात्रा कर रहे हों तो अपने साथ में नेक पिलो लेकर जरूर चलें। इसे आप अपनी गर्दन के पास रख सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि इसके लिए आपको अलग से बैग की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप इसे अपने हैंडबैग पर आसानी से क्लिप कर सकते हैं।

वाराणसी सिर्फ तीर्थ नगरी नहीं है, यहाँ सैर-सपाटे के लिए भी बहुत कुछ है

गंगा के किनारे पर चार किलोमीटर लंबा घाटों का यह क्रम वाराणसी का प्रमुख आकर्षण माना जाता है। जब सूर्य की पहली किरण नदी व घाटों को चीरती हुई आगे बढ़ती है तो यह दुलर्भ नजारा देखते ही बनता है। यहां सौ से भी अधिक घाट हैं।गर्मियां आते ही लोग कहीं-न-कहीं घूमने का कार्यक्रम बनाने लगते हैं। ऐसे में छात्र लोग हिल स्टेशन तथा युवा वर्ग किसी खूबसूरत और एकांतमय स्थान पर जाने की योजना बनाते हैं तो वहीं बड़े-बुजुर्ग तीर्थस्थलों पर जाने की योजना बनाते हैं। यह तीर्थस्थल उनके लिए श्रद्धाभाव का प्रतीक तो होते ही हैं साथ ही यहां आकर मन के साथ ही आत्मा भी पवित्र हो जाती है।देश भर में कई तीर्थस्थल हैं जहां कि आप पूजा अर्चना के साथ ही सैर-सपाटे का भी आनंद ले सकते हैं। ऐसा ही एक स्थल है हजारों शताब्दियों से भी ज्यादा समय से हिन्दूओं के मानस पर प्रभाव रखने वाला तथा उनकी आस्थाओं का प्रमुख केन्द्र वाराणसी। गंगा नदी के किनारे बसा यह शहर हिन्दू धर्म के सात पवित्र शहरों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि यह समस्त तीर्थ स्थलों के सभी सद्गुणों और महत्व का संयोजन है और इस स्थान पर मृत्यु को प्राप्त होने पर तत्काल मोक्ष मिलता है।

विश्व के प्राचीनतम शहरों में से एक इस शहर को काशी के नाम से भी जाना जाता है। भारत में जो बारह ज्योर्तिलिंग हैं उनमें से एक तो इसी शहर में ही है। कहते हैं कि इस स्थान की रचना स्वयं शिव और पार्वती ने की थी। प्रत्येक सैलानी को आकर्षित करने के लिए इस शहर में अनेक खूबियां हैं। सुबह के आरंभ में ही सूर्य की किरणें चमचमाती हुई गंगा के पार चली जाती हैं। नदी के किनारे पर स्थित ऊंचे-ऊंचे घाट, पूजा स्थल, मंदिर आदि सभी सूर्य की किरणों से सुनहरे रंग में नहाए हुए लगते हैं। सुबह-सुबह ही आपको यहां अंर्तमन को भावविभोर कर देने वाले भजन और मंत्रोच्चार सुनाई देने के साथ ही पूजा सामग्री की खुशबू से आंकठ हवा और पवित्र नदी गंगा में स्नान करते श्रद्धालुओं की छपाक-छपाक की आवाज सुनाई देगी।

संगीत, कला, शिक्षा और रेशमी वस्त्रों की बुनाई में इस शहर का खासा योगदान रहा है इसीलिए इस शहर को एक महान सांस्कृतिक केन्द्र भी कहा जाता है। रामचरितमानस की रचना भी तुलसीदास जी ने यही की थी। राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास में भी इस शहर का अमूल्य योगदान रहा है। आइए एक नजर डालते हैं इस शहर की सांस्कृतिक विरासत और दर्शनीय स्थलों पर-

काशी विश्वनाथ मंदिर

भगवान शिव के लिए बने इस मंदिर को स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि वाराणसी वही स्थान है जहां कि पहला ज्योतिर्लिंग पृथ्वी को तोड़ कर निकला था तथा स्वर्ग की ओर रुख करके क्रोध में भभका था। कहते हैं कि प्रकाश के इस पुंज द्वारा भगवान शिव ने देवताओं पर अपनी सर्वोच्चता जाहिर की थी। अब तो काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बन जाने से मंदिर प्रांगण का कायाकल्प हो गया है। यहां की भव्यता और दिव्यता देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है।

घाट-गंगा के किनारे पर चार किलोमीटर लंबा घाटों का यह क्रम वाराणसी का प्रमुख आकर्षण माना जाता है। जब सूर्य की पहली किरण नदी व घाटों को चीरती हुई आगे बढ़ती है तो यह दुलर्भ नजारा देखते ही बनता है। यहां सौ से भी अधिक घाट हैं और लगभग सभी घाटों से सुबह-सुबह का विहंगम दृश्य दिखायी देता है। गंगा के घाटों की दिव्यता भी देखने योग्य है। घाटों पर बैठ कर गंगा आरती देखना मन को बेहद सुकून प्रदान करता है। सुबह और शाम के समय गंगा जी में चलने वाले क्रूज, सीएनजी नाव अथवा पारम्परिक नाव में सैर करना भी मन को खूब भाता है।

दुर्गा मंदिर

दुर्गा जी के इस मंदिर का निर्माण वास्तुशिल्प की नागर शैली में हुआ है और इस मंदिर के शिखर कई छोटे शिखरों से मिलते हैं। मंदिर के आधार में पांच शिखर हैं और शिखरों की एक के ऊपर दूसरी तहें लगते जाने के बाद आप देखेंगे कि अंत में सबसे ऊपर एक ही शिखर रह जाएगा तो इस बात का प्रतीक है कि पांच तत्वों से बना यह संसार अंत में एक ही तत्व यानि ब्रह्म में मिल जाता है। कहते हैं कि इस मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में हुआ था और यह मंदिर दुर्गा जी के सबसे पुराने और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

अन्नपूर्णा मंदिर

देवी अन्नपूर्णा के इस मंदिर का निर्माण पेशवा बाजीराव ने 1725 में करवाया था। यह मंदिर भी अपनी कलाकृति व नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह मंदिर अपना एक अलग ऐतिहासिक महत्व भी रखता है।

तुलसी मानस मंदिर

1964 में वाराणसी के ही लोकहितैषी परिवार द्वारा बनवाया गया यह मंदिर भगवान राम को समर्पित किया गया है। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर की दीवारों पर रामचरितमानस के दोहे और चौपाइयां अंकित की गई हैं जोकि इसकी शोभा में चार चांद लगा देती हैं।

भारत माता मंदिर-इसे आप एक्सक्लूसिव मंदिर भी कह सकते हैं क्योंकि यह एक नये तरह का मंदिर है जहां पंरपरागत देवी-देवताओं की मूर्तियों के स्थान पर भारत का नक्शा है, जिसको कि संगमरमर पत्थर में तराशा गया है।

ऑर्डिनेंस के वेपंस में दिखी कानपुर की ताकत

हथियार देखकर बच्चे बोलें मम्मी मुझे सेना में जाना है

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अमृत महोत्सव के उपलक्ष में स्मॉल आर्म्स फैक्ट्री के ग्राउंड पर आयुध निर्माणी, फील्ड गन फैक्ट्री, एवं स्मॉल आर्म्स फैक्ट्री में बने देश की सुरक्षा में प्रयुक्त होने वाली रक्षा सामग्री को देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए, बच्चों ने रिवॉलवर, एलएमजी, कार्बाइन, मशीन गन, पिनाका रॉकेट, सारंग तोप, धनुष तोप,आदि हथियारों को पास से देखकर और हाथ में पकड़ कर बोले मम्मी मुझे सेना में भर्ती होना है, हमें इस गन से देश की रक्षा करनी है, शनिवार को सीएमडी राजेश चौधरी के उद्घाटन करने के उपरांत रविवार व सोमवार को आम जनमानस के लिए प्रदर्शनी को रखा गया है। कानपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्रीयों ने हथियारों का निर्माण करके अपनी सैन्य ताकत से पूरे विश्व में अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिन हथियारों के बारे में लोग सुनते थे या मोबाइल पर देखते थे उन्हें सामने से देखकर बहुत ही खुश एवं आश्चर्यचकित हुए, निर्माणी के अधिकारियों ने बताया कि अभी हम उन हथियारों का ट्रायल कर रहे हैं जो पूरी दुनिया को हमारी ओर आकर्षित कर लेंगी, तथा हमारी सेना के पास सबसे ज्यादा आधुनिक हथियार होंगे जिससे पाकिस्तान और चाइना भी खौफ खाएगा, प्रदर्शनी के संयोजक अरुण कस्तवार एवं अनुज तिवारी बच्चों को रक्षा उपकरणों की बारीक जानकारी देते रहे, प्रदर्शनी में मुख्य रूप से विनय अवस्थी, पंचरतन सिंह, वेदव्यास मणि, आफताब अहमद, पंकज यादव, छून्ना कश्यप, अमर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रामप्रताप आदि उपस्थित रहे।

शोहदे पर शादी का दबाव बनाने का छात्रा ने लगाया आरोप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही एक छात्रा ने एक युवक पर शादी का दबाव बनाकर परेशान करने का आरोप लगाया है। शादी न करने पर उसे परिवार समेत गोली मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पनकी कटरा निवासी युवती ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है।

बताया कि वह काकादेव कोचिंग मंडी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। पनकी कटरा निवासी मोहित सिंह आए दिन परेशान करता है। वह उससे कोर्ट में शादी करने का दबाव बनाता है, मना करने पर उसे व परिवार वालो को गोली मारने की धमकी देता है।आरोप है,कि तमंचे के बल पर लगभग पांच माह पहले उसने उसके साथ दो फोटो खींची थीं।

अरौल प्रक्षेत्र पर मेरी माटी, मेरा देश के अंतर्गत हुआ बृहद वृक्षारोपण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के अरोल प्रक्षेत्र पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत बृहद वृक्षारोपण

किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर के उपनिदेशक डॉक्टर मुख्तियार सिंह ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जनांदोलन बनाने की जरूरत है। इसी परिपेक्ष में उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर द्वारा लगातार जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा जितनी ज्यादा हरियाली होगी उतना ही अधिक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण होगा। डॉक्टर सिंह ने कहा कि पेड़ों से हमें विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों की प्रचुरता प्रदान होती है। और वातावरण में नमी के स्तर को नियंत्रित करते हैं। तथा मिट्टी के कटान को रोकने में भी सहायक है। इन दिनों अधिक हो गई है।डॉ सिंह ने वृक्ष पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक पेड़ लगाने और जंगलों के निर्माण या कम से कम शेष जंगलों को जीवित रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण सुनिश्चित करता है कि वन्यजीवों के लिए पर्याप्त वन विकसित किए जाएं।ताकि वन्य जीव विलुप्त न होने पाए। इस वृहद वृक्षारोपण के अवसर पर बीज प्रमाणीकरण अधिकारी चंद्रबाबू तथा बीज प्रमाणीकरण निरीक्षक अरुण कुमार कटियार,प्रक्षेत्र अधीक्षक एन बी सिंह तथा प्रक्षेत्र के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक द्वारा लगाया गया निशुल्क आंखों का कैंप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आज 15 /52 गुलाब बाबू का हाता सिविल लाइन्स आज दिनांक 13.8.2023 को शहर के विधायक अमिताभ बाजपेई आर्य नगर विधानसभा के द्वारा निशुल्क आंखों का कैंप लगाया गया जिसमें मोतियाबिंद का प्रशिक्षण, , बच्चों के नेत्र परेशानी,माड़ा व नासूर, नाखूना व एलर्जी का निशुल्क जांच की गई जिसमें ज्यादा से ज्यादा तादात में

लोगो चश्मे वितरित किए गए और 60 लोगों से ज्यादा मोतियाबिंद का ऑपरेशन भी मुक्त कराया गया। जिसमें महिलाओं ने भी अपनी आंखों की जांच कराई। इस कैंप में शामिल डॉक्टर सुकांत पांडे, अली भाई, दानिश भाई, मुमताज भाई, बशर भाई, शाहनवाजआदि मौजूद रहे।

आर्थिक सर्वेक्षण

2023-24

- **MSME सेक्टर** को दिए कर्ज में जबरदस्त उछाल, जनवरी- नवंबर,22 के बीच **30.5% ज्यादा** कर्ज दिया.
- कृषि क्षेत्र में ग्रोथ का अनुमान **3.9%** और औद्योगिक क्षेत्र में **11.8%**फीसदी तेजी का अनुमान.
- सर्वेक्षण में **कच्चे तेल** की महंगाई पर चिंता व्यक्त की गई है.

- देश को 2024-25 तक **$5,000Bn** की अर्थव्यवस्था बनने के लिए, बुनियादी ढांचे पर **$1,400 Bn** खर्च करने की जरूरत.
- RBI के खजाने में **635 बिलियन डॉलर** का रिजर्व. जोकि 13 महीने के आयात और भारत सरकार के विदेशी कर्ज से **कहीं ज्यादा.**

- आर्थिक सर्वे में शेयर बाजार में **बढ़ते निवेश** पर संतोष जताया गया है.
- बैंकिंग सेक्टर को लेकर कहा गया कि बैंकिंग सेक्टर में **लिक्विडिटी** का अभाव नहीं है.

14 अगस्त को विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सांसद सत्यदेव पचौरी, देवेंद्र सिंह भोले जिला अध्यक्ष सुनील बजाज, वीना आर्य पटेल, कृष्ण मुरारी शुक्ला, विधायक नीलिमा कटियार, राहुल बच्चा सोनकर, प्रकाश शर्मा आदि ने रविवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की।उन्होंने देश की वर्तमान और भावी पीढ़ियों को 1947 के विभाजन को विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

भाजपा नेताओं ने कहा कि 14 अगस्त 1947 इतिहास का वह काला दिवस था जिस दिन विश्व के सबसे बड़े नरसंहार की नींव रखी गई।जिस दिन देश के भूगोल समाज संस्कृति सभी का बंटवारा हो गया था।नफरत और हिंसा ने लाखों लोगों को अपने घर से विस्थापित किया और लाखों की संख्या में जाने चली गई ।

अखंड भारत के आजादी के इतिहास में 14 अगस्त की तारीख को आंसुओं से लिखकर रक्त रंजित कर दिया गया। सांसद पचौरी ने कहा कि अखंड हिंदुस्तान की खंडित स्वतंत्रता जब देश की दहलीज पर खड़ी थी उसी समय पूर्वी और पश्चिमी सीमाओं पर प्रचंड नरसंहार चल रहा था।उन्होंने बताया कि दिल्ली के मंदिर मार्ग सभा में बंगाल से आए न्यायमूर्ति निर्मल चंद्र चटर्जी ने कहा था कि 3 जून को ब्रिटिश सरकार द्वारा दिया गया विभाजन का प्रस्ताव स्वीकार कर कांग्रेस ने न केवल बहुत बड़ी गलती की है वरन करोड़ों भारतीयों को पीठ में छुरा भी घोंपा। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता की ध्वजवाहक बनने का ढोंग करती है उसी कांग्रेस नें कई संप्रदायिक कानूनों को पारित करवाने में अंग्रेजों की सहायता की थी ।

प्रोफेसर को दिया गया भारत श्री राष्ट्रीय अवार्ड

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र,अलीगढ़ के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ आशीष श्रीवास्तव को ग्रो भारत फाउंडेशन द्वारा इंदौर में भारत श्री राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके कृषि क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ठ कार्यों जैसे गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं कृषि लागत कम करने तथा अन्य कृषक हितैषी कार्यों की दृष्टिगत दिया गया है।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एयर मार्शल शशिखर चौधरी द्वारा यह सम्मान मिला है।इस अवसर पर फिल्म इंडस्ट्री की जानी मानी हस्तियां उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने डॉक्टर श्रीवास्तव को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

16 को रानी अवंती बाई जी की जयंती मनाने का आह्वान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। क्षेत्रीय कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की आगामी अभियान एवं पूर्व में हुए कार्यक्रमों की समीक्षा को लेकर बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा मनोज राजपूत ने क्षेत्रीय कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों से प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल के निर्देशानुसार सभी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया।उन्होंने अभी तक जो भी मंडल पूर्ण गठित न हुआ हो उनको शीघ्र पूर्ण करें। लोकसभा चुनाव की दृष्टिगत देखते हुए क्षेत्र लोकसभा जिला विधानसभा एवं मंडल स्तर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा सोशल मीडिया की टीमों का गठन कर संगठन को सूची उपलब्ध कराएं। बैठक में पिछडा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश कुशवाहा ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा में 5000 से अधिक संख्या वाले पिछड़े वर्ग की जातियों के प्रमुख व्यक्ति या उनके सामाजिक व्यक्तियों से संपर्क कर उनका संगठन में जोड़कर उचित भागीदारी दिलाने का काम करें । उन्होंने कहा पिछड़ी जातियों के प्रमुख व्यक्तियों की सूची बनाकर सभी जातियों से 50-50 नाम प्रमुखता के आधार पर तैयार करें।आगामी अभियानों में सभी जिलों के प्रमुख केंद्रों पर महापुरुषों के चित्र पर पुष्प वर्षा कर माल्यार्पण करें। 16 अगस्त को रानी अवंती बाई जी की जयंती धूमधाम से मनाने का आह्वान किया गया। बैठक का संचालन करते हुए क्षेत्रीय महामंत्री विनय वर्मा ने आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से उपस्थित उमेश कुशवाहा, डॉक्टर बी के साहू, सरस्वती वर्मा, कौशल सोनी, संजय विश्वकर्मा, विनोद पाल, जिला अध्यक्ष उत्तर दक्षिण सहित सभी क्षेत्रीय पदाधिकारी व जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बिजली आपूर्ति कंपनी के साथ 1.68 करोड़ की ठगी के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर पुलिस ने बुधवार को एक ठेकेदार और एक तकनीकी विशेषज्ञ सहित छह लोगों की गिरफ्तारी के साथ एक गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया, जिसने कानपुर बिजली आपूर्ति कंपनी (केस्को) के भुगतान 'गेटवे यूआरएल कोड' में छेड़छाड़ करके 1.68 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की थी। पुलिस आयुक्त बी.पी. जोगदंड ने इसे धोखाधड़ी का संभवतः पहला ऐसा मामला करार दिया और कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जालसाजों ने साइबर हैकर की मदद से केस्को के भुगतान गेटवे यूआरएल कोड के साथ छेड़छाड़ करके 1700 से अधिक बिजली उपभोक्ताओं के पैसे फर्जी खातों में स्थानांतरित कर दिए। उन्होंने बताया कि पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपियों ने कानपुर में बैंक सुविधाओं का लाभ उठाने के बजाय बागपत जिले में उसी निजी क्षेत्र के बैंक में फर्जी बैंक खाते खोले।पत्रकारों से बातचीत में जोगदंड ने बताया कि केस्को के अधिकारियों ने बिजली उपभोक्ताओं के भुगतान विवरण को खंगाला तो पता चला कि बैंक ने केस्को के खाते में 1.68 करोड़ रुपये से अधिक हस्तांतरित नहीं किए हैं। केस्को के प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन. ने एक पखवाड़े पहले ही अधीक्षण अभियंता आशीष दीक्षित को ग्वालटोली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने को कहा था। पुलिस ने आपराधिक विश्वासघात के आरोप में वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।पुलिस उपायुक्त (अपराध) मनीष चंद्र सोनकर ने पीटीआई-से कहा कि धोखाधड़ी के मामले की जांच की गई और पाया गया कि उपभोक्ताओं के पैसे को फर्जी खाते (केस्को इलेक्ट्रॉनिक्स) में भेजा गया था, जो कि बागपत में निजी क्षेत्र के बैंक के साथ खोला गया था। पुलिस उपायुक्त ने कहा, आपराधिक खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के बाद जालसाजों को पकड़ने के लिए चार टीम का गठन किया गया था।

एक मुख्य साजिशकर्ता सहित दो गिरफ्तारियां बुलंदशहर जिले से की गईं, जबकि चार अन्य लोग बागपत से गिरफ्तार किए गये।

एच ए एल अध्यक्ष ने अपने साथियों और कर्मचारियों को दी स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

77वीं स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर कर्मचारी संघ (2863) के अध्यक्ष की तरफ से हमारे एच ए एल कानपुर के समस्त प्रबुद्ध परिवार गणों को हार्दिक शुभकामनाएं और ढेर सारी बधाइयां। आज हम सभी मिलकर एक संकल्प जरुर लें कि कर्मचारी संघ में प्रजातांत्रिक और संवैधानिक तरीके से निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था हमेशा कायम रहे। एच ए एल कानपुर में उत्पादन की क्षमता प्रति वर्ष बढ़ने से स्वत ही सिद्ध होता है कि कर्मचारी गणो का योगदान सराहनीय है और यह आगे भी बना रहे बिना किसी आपसी वैचारिक मतभेद के, एक दूसरे के प्रति आपसी वैमनस्यता समाप्त करके। तभी संभव है जब हम सभी संवैधानिक व्यवस्था के अनुकूल रहें। धन्यवाद।सभी भाईयों बहनों, दोस्तों साथियों को एक बार पुनः सात्विक वंदन एवं हार्दिक अभिनंदन।।

आप लोगों का अपना,

मनोरंजन प्रसाद
अध्यक्ष (कर्मचारी संघ)
हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स
कानपुर डिविजन कानपुर।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।